

7/7/81



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19] नई दिल्ली, शनिवार, मई 9, 1981 (वैशाख 19, 1903)
No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 9, 1981 (VAISAKHA 19, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, निपन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

गृह मंत्रालय
का० एवं प्र० सु० विभाग
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1981

सं० एस-14/74-प्रशासन-5—डा० (मिस) एस० शिवाराम,
उप-निदेशक, केन्द्रीय न्याय-वैधक विज्ञान प्रयोगशाला, केन्द्रीय
अन्वेषण ब्यूरो, नई दिल्ली दिनांक 31-3-1981 (अपराह्न) से
स्वेच्छापूर्वक सरकारी नौकरी से सेवा-नियुक्त हो गईं।

दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० ए-19036/22/78-प्रशासन-5—बिहार पुलिस से
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस उप-अधीक्षक श्री
एम० एच० खान की सेवाएं दिनांक 6-4-1981 (अपराह्न) से
बिहार राज्य को वापस सौंप दी गईं।

दिनांक 20 अप्रैल 1981

सं० ए-19021/3/81-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद
से श्री के० चक्रवर्ती, भारतीय पुलिस सेवा (गुजरात-1965)

1-56GI/81

को दिनांक 15-4-1981 के पूर्वार्द्ध से प्रतिनियुक्ति पर केन्द्रीय
अन्वेषण ब्यूरो के विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के
पद पर नियुक्त करते हैं।

की० ए० मोवर
प्रशासनिक अधिकारी (स्थ०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 10 अप्रैल 1981

सं० ओ० दो०-1444/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय
रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इफ्तेखारुनिसा बेगम को
28-3-1981 के पूर्वा से केवल तीन माह के लिए अथवा उस
पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस
तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ थिथितला अधि-
कारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-1574/81/स्था०—राष्ट्रपतिजी, डा० टी०
के० विजयामाथी को अस्थाई रूप से आगामी आदेश जारी होने तक
केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल ब्यूटी आफिसर ग्रेड-11 (डी०

(6115)

एस० पी०/कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 30 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से, डाक्टर परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर, नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो०-1575/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) साधना गुप्ता को 1-4-81 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

सं० ओ० दो०-1576/81-स्थापना—राष्ट्रपतिजी, डा० शैलेन्द्र शर्मा को अस्थायी रूप से आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जी०डी०ओ० ग्रेड-II (डी० एस० पी० कम्पनी कमान्डर) के पद पर दिनांक 30-3-81 के पूर्वाह्न से, डाक्टर परीक्षण में ठीक पाए जाने की शर्त पर नियुक्त करते हैं।

सं० ओ० दो०-1069/77-स्थापना—राष्ट्रपति जी ने कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी (जनरल ड्यूटी आफिसर ग्रेड-II) डा० (कुमारी) कौशल्या चन्द्राभान जी थेमरकर, ग्रुप सैंटर-II केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अजमेर, को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा नियमावली) 1965 के नियम 5 (1) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 14 मार्च 1981 अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

सं० ओ० दो०-1573/81—स्थापना—राष्ट्रपति श्री आर० के० खंडेलवाल भारतीय पुलिस सेवा (यू० पी० 1953) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर महानिरीक्षक (हेडक्वार्टर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री खंडेलवाल ने महानिरीक्षक (हेडक्वार्टर) का कार्यभार दिनांक 3-4-81 (पूर्वाह्न) से संभाला।

ए० के० सूरि
सहायक निदेशक—(स्थापना)

महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० ई० 16016/2/79-कार्मिक—केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल से प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री एस० डी० शर्मा ने 1 अप्रैल, 1981 के पूर्वाह्न से महानिदेशक, के०ओ०सु०ब० नई दिल्ली के कार्यालय में अनुभाग अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह० अपठनीय
महानिदेशक/के०ओ०सु०ब०

श्रम मंत्रालय

श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक 5 मई 1981

सं० 23/3/81-सी० पी० आई०—मार्च 1981 में औद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960=100) फरवरी, 1981 के स्तर से दो अंक बढ़ कर 420 (चार सौ बीस)

रहा। मार्च, 1981 माह का सूचकांक 1949=100 आधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 510 (पांच सौ दस) आता है।

ए० एस० भारद्वाज
निदेशक

वित्त मंत्रालय

(अर्थ कार्य विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 99/ए—महाप्रबन्धक भारत प्रतिभूति मुद्रणालय, नासिक रोड इसके द्वारा श्री टी० व्ही० उल्हन् को 28 मार्च, 1981 के पूर्वाह्न से 6 महीने के लिए तदर्थ रूप में अथवा यह पद नियमित रूप से इसके पहले भरा जाए तक के लिए सुरक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० III/ए०—श्री एस० आर० शर्मा की दिनांक 28-3-81 से क्रय अधिकारी के पद पर मूल क्षमता के रूप में भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में नियुक्ति की जाती है।

पी० एस० शिवराम
महाप्रबन्धक
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

प्रतिभूमि कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक अप्रैल 1981

सं० 7(52)/482—इस कार्यालय के अधिसूचना क्रमांक 7(52)/7564 दिनांक 15 अक्टूबर, 19 के क्रम में श्री पी० के० शर्मा को लेखा अधिकारी के पद पर की गई तदर्थ नियुक्ति की अवधि 27-2-81 या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर लिया जाता, इनमें जो भी पहले हो, तक बढ़ाई जाती है।

श० रा० पाठक
महाप्रबन्धक

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

वस्त्र आ्युक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० ई०एम०टी० 1-2(452)/966—इस कार्यालय के अपर वस्त्र आ्युक्त श्री एम० मदुरै नायडू सेवा निवृत्ति की आय प्राप्त कर लेने पर दिनांक 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

एम० स० सुवर्णा
वस्त्र आ्युक्त

बम्बई-20, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० सी०ई०आर०/17/81—सूती वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1948 के खंड 20 तथा खंड 21 के उपखंड (5) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, एतद्वारा वस्त्र आ्युक्त की अधिसूचना सं० सी० ई० आर०/17/79 दिनांक 29 जून, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में पैराग्राफ (2) के नीचे के परंतुक के बाद निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—
“और बगैरे कि विशिष्ट तिमाही को लागू होने वाली हैक यान्त्रिक पक करने संबंधी बाध्यता, जिस तिमाही को बाध्यता लागू होती है उसके बाद के माह की समाप्ति के पूर्व पूरी की जा सकती है।”

सं० 5(2)/81/सी०एल०बी०-II—कृत्रिम रेशम वस्त्र (उत्पादन तथा वितरण) नियंत्रण अधिनियम, 1962 के खंड 3 (बी) में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद् द्वारा वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं० 5(2) 79/सी०एल०बी०-II दिनांक 12 जुलाई, 1979 में निम्नलिखित संशोधन करता हूँ, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना के पैराग्राफ (2) में स्पष्टीकरण एक के पहले निम्नलिखित परंतुक अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

बगैरे कि विशिष्ट तिमाही को लागू होने वाली हैक यान्त्रिक पक करने संबंधी बाध्यता, जिस तिमाही को बाध्यता लागू होती है उसके बाद के माह की समाप्ति के पूर्व पूरी की जा सकती है।

म० बा० चैबुरकर
संयुक्त वस्त्र आयुक्त

(उद्योग मंत्रालय)

औद्योगिक विकास विभाग

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 12/394/63-प्रशासन (राजपत्रित) —राष्ट्रपतिजी, श्री एम० के० मुखर्जी, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (मेटल फिनिशिंग) को दिनांक 10 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक शाखा, लघु उद्योग सेवा संस्थान, वाराणसी में उप-निदेशक (रसायन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 12/690/71-प्रशासन (राज०) : राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता के श्री एन० के० मजूमदार, सहायक निदेशक, ग्रेड-I (औद्योगिक प्रबंध एवं प्रशिक्षण) को दिनांक 21 मार्च, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कलकत्ता में ही उप-निदेशक (नियंत्रित संवर्द्धन) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018/118/73-प्रशासन (राज०) :—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के श्री एम०एम० आहूजा, सहायक निदेशक, ग्रेड- (इलेक्ट्रॉनिक्स) को दिनांक 26 मार्च 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदाबाद में उप-निदेशक (इलेक्ट्रॉनिक्स) के पद पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० : 12/709/72-प्रशासन (राज०) :—राष्ट्रपतिजी, लघु उद्योग विकास संगठन के श्री एस० सुन्दराराजन, उप-निदेशक (यांत्रिक) का आई०टी०ई०सी० कार्य-

क्रम के अधीन तंजानिया सरकार के शासनाधीन प्रतिनियुक्ति से वापसी और उनकी छुट्टी समाप्त होने पर, उन्हें दिनांक 3 अप्रैल, 1981 (अपराह्न) से हैड टूल इन्स्टीट्यूट, शालन्धर में निदेशक, ग्रेड-2 (यांत्रिक) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सी०सी०राय

उप-निदेशक (प्रशासन)

विस्फोटक विभाग

नागपुर, दिनांक 28 मार्च 1981

सं० ई-11(7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई-11(7) में श्रेणी 3 प्रभाग 1 के अधीन “सॉलिडिक्स” प्रविष्टि के पश्चात् “विनिर्दिष्ट स्थलों पर 31-3-1981 पर्यन्त विनिर्माण एवं क्षेत्र अभि-प्रयोग हेतु” हटाया जाये।

दिनांक 13 अप्रैल 1981

सं० ई-11 (7)—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई-11 (7) में श्रेणी 3 वर्ग 1 के अधीन प्रविष्टि “वेल्ड ब्लास्ट जीलेटीन” के पश्चात्, विनिर्दिष्ट स्थलों में विनिर्माण एवं क्षेत्र अभिप्रयोग हेतु 31-3-1981 तक हटाया जाये।

दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० ई-11 (7)—इस विभाग के 11 जुलाई, 1969 के अधिसूचना सं० ई-11 (7) में श्रेणी 2 नायट्रेट मिश्रण के अधीन—

- (1) प्रविष्टि “डायनेक्स-1” “31-3-1981” में अंकों के स्थान पर “31-3-1982” अंक प्रतिस्थापित किए जायेंगे।
- (2) प्रविष्टि “डायनेक्स-सी” “31-3-81” में अंकों के स्थान पर “31-3-82” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे, तथा
- (3) प्रविष्टि “सालवेजअपक” “31-3-1981” में अंकों के स्थान पर “31-3-1982” अंक प्रतिस्थापित किये जायेंगे।

चरणजीत लाल

मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

(इस्पात और खान मंत्रालय)

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 9 अप्रैल 1981

सं० ई-1-18(16)/79 भाग I—अधिवार्षिकी की आयु को प्राप्त होने पर श्री दिलीप कु० दास गुप्ता, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक 31 मार्च, 1981 के अपराह्न से सेवा-निवृत्त हो गये।

एस० के० बसु

उप लोहा एवं इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० 2026बी/ए-19012(3-ईआर)/80-119बी—श्री ईश्वर राव को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 22-1-81 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2050बी/ए-19012(के० सी०)/80-19बी—श्री के० चिन्नुस्वामी को सहायक रसायनज्ञ के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थापना क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 11-2-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 2063बी/ए-19012/3-आर जी०बी०/80-19बी—श्री रामधन बैरवा, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-२० रो०-35-880-40-1000-२० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में अस्थायी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 17-1-1981 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 24 अप्रैल 1981

सं० ए-19011(272)/80-स्था०-ए—संघ लाक संवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री संजीवन रे को दिनांक 5-2-81 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थापनापत्र रूप में सहायक खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बी० अलॉ
कार्यालय अध्यक्ष
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 13 अप्रैल 1981

सं० स्था-I 5708/881-अधिकारी—इस कार्यालय को अधिसूचना संख्या स्था०-I-5673/881-अधिकारी दिनांक 8 दिसम्बर, 1980 में आंशिक संशोधन करते हुए डा० (श्रीमती)

सुनीता नन्दवानी, एम०बी०बी०-एस० जिन्हें ज्योडिया एवं अनुसंधान शाखा डिस्पेन्सरी, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, देहरादून में सामान्य सिविल सेवा ग्रुप 'बी' पद पर महिला चिकित्सा अधिकारी के पद पर दिनांक 6-11-80 (पूर्वाह्न) से 1155 रु० (कुल मिलाकर) प्रति माह वेतन पर पूर्णतया अस्थायी तौर पर नियुक्त किया गया था, अन्न, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के पत्र संख्या ए-12026/12/78-सी०एच०एस०-I दिनांक 27-1-1981 के अनुसार 650-1200 रु० के नियमित वेतनमान में 650 रु० वेतन एवं प्राइवेट प्रेक्टिस न करने के भत्ते सहित सभी प्रकार के भत्ते पाने की हकदार है।

दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० सं-5709/718-ए—श्री एम० सी० आनन्द, स्थानापन्न अधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय, को श्री के० जी० भट्टाचार्य, स्थापना एवं लेखा अधिकारी जो 28 फरवरी, 1981 (अपराह्न) को सेवाकाल की समाप्ति पर सेवानिवृत्त हो गये हैं, के स्थान पर, प्राक मानचित्र उत्पादन संयंत्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (सा०सि०से० ग्रुप "बी") के पद पर 840-40-1000-२०-रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थापनापत्र रूप में नियुक्त किया जाता है।

के० एल० खोसला
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय एटलस एवं थिमेटिक मानचित्रण संगठन

कलकत्ता-700019, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० 29-16/77/स्था०—निम्नलिखित क्षेत्र अधिकारी एवं वरिष्ठ अनुसंधान सहायकों को राष्ट्रीय एटलस एवं थिमेटिक मानचित्रण संगठन में उनके सामने उल्लिखित तिथि से, अवर-तकनीकी अधिकारी के पद पर पूर्ण रूप से अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर अन्य आदेश न मिलने तक नियुक्त किया जाता है।

नाम	नियुक्ति-तिथि
क्षेत्र अधिकारी	
1. श्री एस० एन० शेनॉय	10-4-1981 (पूर्वाह्न)
वरिष्ठ अनुसंधान सहायक	
1. श्री लालता राम	10-4-1981 (पूर्वाह्न)
2. श्री पत्तू राम	10-4-1981 (पूर्वाह्न)

दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 35-2/80 स्था०—भारत सरकार, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, राष्ट्रीय एटलस एवं थिमेटिक मानचित्रण

संगठन का अधिगूचना क्र० 35-2/80/स्था० दिनांक 24-2-81, जो भारत के राजपत्र में प्रकाशित होती थी, में कृपया पैरा 3 को नातरी पंक्ति में “वैज्ञानिक अधिकारी” और “सेलागू” के बीच में “राष्ट्रीय एटलस एवं थिमैटिक मानचित्रण संगठन” में पूर्ण रूप से अस्थायी एवं तदर्थ आधार पर” पढ़ें।

एस० पी० वासगुप्ता
निदेशक

आकाशवाणी: महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० 5 (2768-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एन्दुवाराश्री ए० बी०राव चौधरी, प्रसारण निष्पादक विज्ञापन प्रसारण सेवा, आकाशवाणी, हैदराबाद को आकाशवाणी, हैदराबाद में 1 अप्रैल, 1981 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

हरीश चन्द्र जयाल
प्रशामन उपनिदेशक
नूते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय
(प्रकाशन विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 24 मार्च 1981

सं० ए-12025/2/79-प्र-1—इस विभाग की अधि-सूचना संख्या ए-12025/2/79-प्रशासन-1, दिनांक 20-12-1980 के क्रम में, निदेशक, प्रकाशन विभाग केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थानापन्न सहायक श्री कुलानन्द की 650-30-740-35-810-ड० रो०-35-880-40-1000- ड०-रो०-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सामान्य प्रति-नियुक्ति सेवा-शर्तों पर हिन्दी अधिकारी के पद पर नियुक्ति को 31 अगस्त, 1981 तक 6 माह के लिए जारी रखते हैं।

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 30 जनवरी 1981

सं० पीए/81(12)/80-आर-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०बी० पद पर उनके नाम के सामने कालम नं० 5 में अंकित तिथि से अग्रिम आदेशों तक इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रमिक	नाम	स्थायी पद यदि उसपर नियुक्त हों	स्थानापन्न नियुक्ति	दिनांक
1	2	3	4	5
1.	श्री शंकर वारियर कृष्ण प्रसाद	—	वै०सहा०(सी)	1-8-80 (पूर्वाह्न)
2.	श्री कनीसरिस शंकरन कुट्टी	वै०सहा० (सी)	—	—वही—
3.	श्री माधव प्रभाकर कुलकर्णी	वै०सहा० (बी)	वै० सहा०(सी)	—वही—
4.	श्री सुरेशचन्द्र भास्कर वेदक	—वही—	—वही—	—वही—

उपर्युक्त तदर्थ आधार पर नियुक्ति श्री कुलानन्द को हिन्दी अधिकारी के ग्रेड में वरीयता का हक प्रदान नहीं करती।

एम० एम० बी० एस० जैन
उप-निदेशक (प्रशासन)

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० ए० 31013/5/80(जे०आई०पी०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० एस० राम० कृष्णन् को 26 दिसम्बर, 1979 से जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, पाण्डिचेरी में जीव रसायन विज्ञान के प्रोफेसर के स्थायी पद पर स्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

तिलोक चन्द जैन
उप-निदेशक, प्रशासन

दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० ए० 12016/180-प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने कुमारी शिखा खन्ना को 16 मार्च, 1981 से 16 मई, 1981 तक 62 दिनों की अवधि के लिए सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली में आहारविद् (डाइटीशियन) के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/3/80-(मुख्या०)/प्रशासन-1—राष्ट्रपति ने, श्री आर० सी० कुमार को 23 मार्च, 1981, को पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय, नई दिल्ली में उपवास्तुविद् के पद पर अस्थायी आधार पर नियुक्त किया है।

संगत सिंह
उप-निदेशक, प्रशासन

1	2	3	4	5
5. श्री जॉर्ज थॉमस		वै सहा० (बी)	वै सहा (सी०)	1-8-80 (पूर्वाह्न)
6. श्री राजेन्द्र कुमार गुप्ता		-वही-	-वही-	-वही-
7. श्री श्रीकृष्ण नारायण केरकर		-वही-	-वही-	-वही-
8. श्री कोलेगलम विश्वनाथन जयचंद्रन		-वही-	-वही-	-वही-
9. श्री प्रमोद शिवाजीराव मोहिते		वै०सहा० (सी)	-	-वही-
10. श्री जैकब जॉन		वै०सहा० (ए)	वै०सहा० (सी)	-वही-
11. श्री राजाराम गोपालराव हेमके		ट्रे०मैन (एफ)	वै०सहा० (सी)	-वही-
12. श्रीमती नागलक्ष्मी बालसुब्रमण्यन		वै०सहा० (बी)	वै०सहा० (सी)	-वही-
13. श्री कोचक्कन एन्नाहम प्रकाश		-वही-	-वही-	-वही-
14. श्री बदक्कोट चाकी जॉर्ज		वै०सहा० (ए)	-वही-	-वही-
15. श्रीमती सरस्वती पद्मनाभन		वै०सहा० (बी)	-वही-	18-8-80 (पूर्वाह्न)
16. श्री हरेश्वर [हरसुखराम श्रोक्षा		-वही-	-वही-	1-8-80 (पूर्वाह्न)
17. श्री तरनजीत सिंह सोहल		ड्रा० मैन (सी)	-	-वही-
18. श्री कोचुपरांपिल कृष्णन सोमराजन		वै०सहा० (बी)	वै०सहा० (सी)	11-8-80 (पूर्वाह्न)
19. श्री चन्द्रमणि त्रिपाठी		-	वै०सहा० (बी)	1-8-80 (पूर्वाह्न)
20. श्री चोक्कनाथपुरम् वैकटरामन सुब्रमण्यम		वै०सहा० (बी)	वै०सहा० (सी)	-वही-
21. श्री रमेशचन्द्र अनंत शंभारीकर		ड्रा०/मैन (सी)	-	-वही-
22. श्री वत्सेलाथ दिवाकरन नायर		वै०सहा० (बी)	वै०सहा० (सी)	-वही-
23. श्री पुत्तेनमदोम कृष्णनकर्ता राजगोपालन		-वही-	-वही-	-वही-
24. श्री श्रोकार तुकाराम कोल्हे		सहा०फोरमैन	-वही-	-वही-
25. श्री परमेश्वरनचारी शिवदासन आचारी		वै०सहा० (बी)	-वही-	-वही-
26. श्री पलप्पापरांबिल मुरलीधर		-वही-	-वही-	-वही-
27. श्री निर्मल स्वामीदास जगेशिया		वै०सहा० (सी)	-	-वही-
28. श्रीमती चारु शरद नाइक		वै०सहा० (बी)	वै०सहा० (सी)	-वही-
29. श्री रवीन्द्र गोविन्द पंडित		-वही-	-वही-	-वही-
30. श्री वसंत शंकर आगाशे		ड्रा०/मैन (बी)	ड्रा०/मैन (सी)	-वही-
31. श्री चन्द्रमोहन खन्ना		-	वै०सहा० (बी)	-वही-
32. श्री रामचन्द्र नाथू वाणी		ड्रा०/मैन (बी)	ड्रा०/मैन (सी)	-वही-
33. श्री शान्ताराम तुकाराम राऊत		सहा०फोरमैन	फोरमैन	-वही-
34. श्री श्यामसुन्दर विश्वनाथ कानेटकर		ड्रा०/मैन (बी)	ड्रा०/मैन (सी)	-वही-
35. श्री जॉन सैम्सन उप्पिन		सहा०फोरमैन	फोरमैन	-वही-
36. श्री कपल देव सिंह		-वही-	-वही-	-वही-
37. श्री चतर सिंह चावला		-वही-	-वही-	-वही-
38. श्री विश्वनाथ हरिबा पाटील		ट्रे०/मैन (ई)	ट्रे०/मैन (जी)	-वही-
39. श्री कृष्ण चौवडप्पा दावागिन		वै०सहा० (बी)	वै०सहा० (सी)	-वही-
40. श्री विनोद कुमार दत्ता		-वही-	-वही-	-वही-
41. श्री कावरी शंकर वर प्रसाद		वै०सहा० (ए)	-वही-	-वही-
42. श्री दत्तात्रेय शेषागिरी दिवाकर		वै०सहा० (बी)	-वही-	-वही-
43. श्री अशोक कुमार गोकुलदास रोरा		-	-वही-	-वही-
44. श्री रामसे गोमेश		सहा०फोरमैन	फोरमैन	-वही-
45. श्री त्रिबंकर विष्णू धर्माधिकारी		-वही-	-वही-	-वही-

1	2	3	4	5
46. श्री नरेन्द्र कुमार चड्ढा	.	वै०सहा० (सी)	फोरमैन	1-8-80 (पूर्वाह्न)
47. श्री रामबिलास रामधन सेवक	.	सहा० फोरमैन	—	—वही—
48. श्री कोवेलिल अब्राहम सैमुअल	.	—	वै०सहा० (सी)	—वही—
49. श्री दत्तात्रेय गजानन देशपांडे	.	—	—वही—	—वही—
50. श्री मोहन वैकटेश लोकपुर	.	—	—वही—	—वही—
51. श्री सुभाष बालकृष्ण शिरगांवकर	.	—	—वही—	—वही—
52. श्री बेकल प्रभाकर राव	.	वै०सहा० (सी)	—	—वही—
53. श्री थंडलम गुरुस्वामी राममोहन	.	—	फोरमैन	—वही—
54. श्री प्रियाम रामचन्द्र सखरानी	.	—	वै०सहा० (सी)	—वही—
55. श्री वेलु थांगवेलु राजेन्द्रन	.	—	—वही—	—वही—
56. श्री श्रीपाद राघोबा रेडकर	.	डा०/मैन (बी)	डा०/मैन (सी)	—वही—
57. श्री शंकर गुलाबराय भोर	.	—वही—	—वही—	—वही—
58. श्री बरधाचरिर विजयराघवन	.	—	वै०सहा० (सी)	—वही—

सं० पीए/81(12)/80-आर०-4—निदेशक, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र वी०ई०सी० के निम्नलिखित अधिकारियों को वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड एस०बी० पद पर 1 अगस्त, 1980 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक, इसी अनुसंधान केन्द्र में, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं:—

क्रमांक	नाम	स्थायी पद, यदि उस पर नियुक्त हों	स्थानापन्न नियुक्ति
1	2	3	4
1. श्री दुर्गा प्रसाद दास	.	सहायक फोरमैन	फोरमैन
2. श्री गन्ती सूर्यनारायणमूर्ती	.	—	वैज्ञानिक सहायक (सी)

कामिक प्रभाग

दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० पी०ए०/79(II)/79 आर III—मद्रास परमाणु विद्युत परियोजना से स्थानान्तरित होने पर श्री एन० वी० रमणन्, सहायक-कामिक-अधिकारी ने भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र में सहायक कामिक अधिकारी पद का कार्यभार 26 मार्च 1981 पूर्वाह्न से संभाल लिया है।

ए० शान्ताकुमारा मेमोन,
उप-स्थापना अधिकारी

श्री पी० वैष्णुगोपालन के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं।

ब० वि० थत्ते,
प्रशासन अधिकारी

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 16 अप्रैल 1981

सं० डी०पी०एम०/2/15/80-स्थापन/8487—निदेशक क्रय एवं भंडार निदेशालय श्री वि० दंडपाणी स्थायी भंडारी को प्रभारी सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30 740-35-810-ई०बी०-35-880-4C-1000 -ई०बी०- 40-1200 के वेतन क्रम में अस्थायी रूप से दिनांक मार्च 1, 1981 पूर्वाह्न से अग्रिम आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ,
प्रशासन अधिकारी

परमाणु उर्जा विभाग

विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग

बम्बई-5, दिनांक 8 अप्रैल 1981

सं० विप्राइप्र/3 (262)/78-प्रशासन 4598—निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग बम्बई एतद्वारा इस प्रभाग के एक स्थायी वैयक्तिक सहायक एवं स्थानापन्न आशुलिपिक -III श्री के०जी० वामनानी को अप्रैल, 6, 1981 के पूर्वाह्न से 16 मई, 1981 के अपराह्न तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कामिक अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं यह नियुक्ति सहायक कामिक अधिकारी

तारापुर परमाणु बिजलीघर

टी०ए०पी०पी०, दिनांक 28 मार्च 1981

सं० टी०ए०पी०एम०/1/34(1)/76-आर/1(खंड-I)—
मुख्य अधीक्षक, तारापुर परमाणु बिजलीघर, परमाणु उर्जा

विभाग अधोलिखित स्थानापन्न वैज्ञानिक सहायक (सी) को तारापुर परमाणु बिजलीघर में वैज्ञानिक अधिकारी/अभियंता ग्रेड एम०बी० के पद में उनके नाम के सामने दी गयी तारीख से अस्थायी क्षमता में नियुक्त करते हैं।

क्रम संख्या	नाम	वैज्ञा० अधि०/अभियंता एस०-बी० के रूप में नियुक्ति की तारीख
1	श्री जे० एस० ताइक	1 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न)
2	श्री एच० एन० कंसारा	26 फरवरी, 1981 (पूर्वाह्न)

द० वि० मरकसे
प्रशासनिक अधिकारी-III

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

ई-1 अनुभाग

दिनांक 16 अप्रैल, 1981

सं० ए० 35017/1/81-ई1—राष्ट्रपति ने श्री भवानी मल, भारतीय पुलिस सेवा (राज० 1950) की नागर विमानन विभाग में निदेशक नागर विमानन सुरक्षा के पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि रु० 2500-125/2-2750 के वेतनमान में दिनांक 27-11-79 से 26-11-81 तक दो वर्ष के लिए और बढ़ा दी गई है।

दिनांक 31 मार्च, 1981

सं० ए० 32013/3/80-ई०I—राष्ट्रपति ने श्री के० एन०एस० कृष्णन को दिनांक 23-11-80 के बाद आगे छः मास की अवधि के लिए अथवा ग्रेड में नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में निदेशक विमान निरोधक के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सुधाकर गुप्ता
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० ए०-32013/11/79-ईसी—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित दो तकनीकी अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और दिए गए स्टेशन पर छः मास की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है :—

क्र०सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्य ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री एस० के० शर्मा	वैमानिक संचार स्टेशन पालम	वैमानिक संचार स्टेशन पालम	20-3-81 (पूर्वाह्न)
2.	श्री आर०के० सिंगला	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र इलाहाबाद	नागर विमानन प्रशिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद	23-3-81 (पूर्वाह्न)

सं० ए०-38013/1/81-ई०सी०—नागर विमानन विभाग के वैमानिक संचार संगठन के निम्नलिखित अधिकारियों ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के फलस्वरूप प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से और स्टेशन से, सरकारी सेवा से निवृत्त होने पर अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है :—

क्र० सं०	नाम और पदनाम	तैनाती स्टेशन	सेवा निवृत्ति की तारीख
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	पी०के० दत्ता-I, संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, कलकत्ता	28-2-81 (अपराह्न)
2.	एस० मधु, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद	28-2-81 (अपराह्न)
3.	ए० जगदीशन वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, हैदराबाद	31-3-81 (अपराह्न)

1	2	3	4
4.	टी०आर० शेषाद्रि वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-3-81 (अपराह्न)
5.	एम०एस० मेनन, सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-3-81 (अपराह्न)
6.	एन०टी० वजीरानी सहायक संचार अधिकारी	वैमानिक संचार स्टेशन, बम्बई	31-3-81 (अपराह्न)

बी० जयचन्द्रन
सहायक निदेशक प्रशासन

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 15/115/81-स्थापना-I—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय देहरादून, ने निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नाम के आगे अंकित दिन से, आगामी आदेशों तक, सहर्ष अनुसंधान अधिकारी के पद पर अस्थाई तथा स्थानापन्न आधार पर नियुक्त किया है :—

क्र० सं०	नाम	पद	अनुसंधान अधिकारी के पद पर नियुक्ति की तारीख
	सर्वश्री		
1.	पी० के० भट्टाचार्य	सहायक क्षेत्रमिति अधिकारी (तदर्थ)	28-1-81 (पूर्वाह्न)
2.	पी० एस० पयाल	अनुसंधान सहायक प्रथम वर्ग	28-1-81 (पूर्वाह्न)
3.	आदर्श कुमार	—वही—	28-1-81 (पूर्वाह्न)
4.	वी० के० जैन	—वही—	28-1-81 (पूर्वाह्न)
5.	डी० डी० एस० नेगी	—वही—	28-1-81 (पूर्वाह्न)
6.	डी० के० जैन	—वही—	9-2-81 (पूर्वाह्न)
7.	आर० सी० मित्तल	—वही—	16-2-81 (पूर्वाह्न)

रजत कुमार
रजिस्ट्रार

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहर्तलिय

नागपुर, 440001 दिनांक 28 फरवरी 1981

सं० 1/81—इस समाहर्ता क्षेत्र के (प्रवरण श्रेणी) निरीक्षक श्री एम० जे० ठाकरे की अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी “ख” के पद पर पदोन्नती होने पर उन्होंने दिनांक 9 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न में, श्री आर० बी० लेले, जिनका स्थानांतरण हुआ है, को कार्यभार मुक्त कर, अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क रेंज, भंडारा के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण किया।

के० शंकररामन
समाहर्ता

बम्बई, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० II/3ई-6/80—निम्नलिखित वरित श्रेणी निरीक्षकों ने उनके पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तलिय
2—56GI/81

बम्बई II में स्थानापन्न अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समूह “ख” के रूप में उनके नामों के आगे अंकित तिथियों से कार्यभार सम्भाल लिया है:—

क्रम सं०	नाम	कार्यभार सम्भालने की तिथि
1	2	3
1.	श्री एम० आर० मुलगे	26-12-1980 अपराह्न
2.	श्री बी० एम० कुरूप	18-12-1980 पूर्वाह्न
3.	श्री एम० डी० मावंत	3-1-1981 पूर्वाह्न
4.	श्री ए० के० आय० जमादार	12-1-1981 पूर्वाह्न

1	2	3
5. श्री ए०डी०शाह	5-1-1981	अपराह्न
6. श्री के० व्ही०लाड	31-12-1980	पूर्वाह्न
7. श्री टी०एम० चौधरी	27-12-1980	पूर्वाह्न
8. श्री आर० एम० जौशी	31-12-1980	पूर्वाह्न
9. श्री के० एम० पोतदार	1-1-1981	अपराह्न
10. श्री व्ही० टी० चौबे	30-12-1980	पूर्वाह्न
11. श्री एम०पी० उचगांवकर	16-12-1980	पूर्वाह्न
12. श्री एम०ए० नायर	16-12-1980	पूर्वाह्न
13. श्री आर०बी०शिंदे	14-1-1981	अपराह्न
14. श्री व्ही० आर०पोल	7-1-1981	पूर्वाह्न

सं०-II/3ई-6/80—श्री एन० एन० नाथानी, कार्यलय अधीक्षक ने पदोन्नति पर केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतलय बम्बई-II में प्रशासनिक अधिकारी वर्ग "ख" के रूप में 31-1-1981 पूर्वाह्न में कार्यभार सम्भाल लिया है।

सं० II/3ई-6/80—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहृतलय, बम्बई-II के निम्नलिखित समूह "ख" के राजपत्रित अधिकार (अधीक्षक/प्रशासनिक अधिकारी अधिवापिक आधार पर उनके नामों के आगे अंकित तिथियों को अपराह्न में सेवानिवृत्त हो गये हैं।

क्र० सं०	नाम तथा पदनाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
1.	श्री व्ही० डब्ल्यू० चिमोटे, अधीक्षक	31-1-1981
2.	श्री व्ही० डी० काले, अधीक्षक	28-2-1981
3.	श्री एम०ए० जेठम, प्रशासनिक अधिकारी	28-2-1981

विजय कुमार गुप्ता

समाहर्ता

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, बम्बई-II

संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय

सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क

नई दिल्ली, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 1/81/का० सं० 1/122/20/78—ओ०एम०एस०—संगठन और प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के अधिकारी श्री सांवल दास चांदवानी, जो अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर तैनात थे दिनांक

31 मार्च, 1981 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

के० जे० रामन्
निदेशक

संगठन एवं प्रबन्ध सेवाएं निदेशालय

ऊर्जा मंत्रालय

कोयला विभाग

कोयला खान श्रमिक कल्याण संस्था

घनबाद-826003, दिनांक 6 जनवरी 1981.

सं० प्रशासन 5(7)71—कोयला खान कल्याण कार्य, डिबीजन नं० 1 के स्थानापन्न कार्यपालक अभियंता श्री डी० दत्ता को तारीख 13-10-67 से सहायक अभियंता (सिविल) के पद पर स्थायी किया गया।

दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० पी० 8(25)67—कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि नियमावली 1949 के नियम 5 के उप-नियम (1) (ए) में दिये गये अधिकारों का प्रयोग कर कोयला खान श्रमिक कल्याण निधि सलाहकार समिति एतद् द्वारा श्री एस० के० चौधरी, महाप्रबन्धक (कार्मिक) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कार्मिक भवन, घनबाद को श्री ओ० महीपति तत्कालीन निदेशक (पी) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, घनबाद के स्थान पर वित्तीय उप-समिति का सदस्य नियुक्त करती है जिसका गठन अधिसूचना संख्या पी० 8(25)67 दिनांक 23-12-75 एवं दिनांक 20-3-1979 की अधिसूचना में किये गये उल्लेखों में संशोधन में उल्लिखित है तथा कथित अधिसूचना में निम्नलिखित संशोधन करती है:—

“क्रम संख्या 3—श्री ओ० महीपति निदेशक (कार्मिक) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड कार्मिक भवन घनबाद के स्थान पर श्री एस० के० चौधरी, महाप्रबन्धक (कार्मिक) भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, कार्मिक भवन, घनबाद” प्रतिस्थापित किया जाए।

दामोदर पण्डा

कोयला खान कल्याण आयुक्त

घनबाद

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक अप्रैल 1981.

सं० ए-19012/893/81-प्रशा० पांच—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एस०के० नामचूरी, अतिरिक्त सहायक निदेशक, केन्द्रीय जल आयोग द्वारा सरकारी सेवा से दिये गए

प्रशासन को 26-3-1981 को अपराह्न से स्वीकार करते हैं।

ए० भट्टाचार्य
अवर सचिव

केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला

पुणे-411024, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 602/31/81-प्रशासन—अधिसूचना संख्या 608/168/80-प्रशासन दिनांक 23-2-80 के सिलसिले में निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, खड़कवासला, एतद्वारा श्री ००० जा० फड़क, लेखा अधिकारी की नियुक्ति प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 1-2-81 से 31-1-82 तक या जब तक इस पद की नियमित रू. से भर्ती किया जाता है याने इनमें से जो पहले होगा तब तक अवधि बढ़ाते हैं। इस नियुक्ति की बाकी सभी शर्तें उपर्युक्त अधिसूचना में लिखी गई हैं वहीं रहेंगी।

सं० 608/180/81-प्रशासन—संघ लोक सेवा आयोग, नई दिल्ली से किये गये चयन के कारण निदेशक, केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधानशाला, खड़कवासला, पुणे-411024, श्री अमरीक सिंह गुरु को सहायक अनुसंधान अधिकारी (शास्त्रीय गणित) के पद पर रुपये 650/- प्रति माह वेतनमान रुपये 650-30-740-35-810-४० रो०-35-880-40-1000-४० रो०-40-1200 पर दिनांक 28 मार्च, 1981 के अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

श्री अमरीक सिंह गुरु के लिए 28 मार्च, 1981 (अपराह्न) से दो साल परित्तीक्षावधि होगी।

एम० आर० गिडवानी
प्रशासन अधिकारी
कृते निदेशक

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारेख कुटी (वैस्ट)
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 29794/560(5)—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी

जाती है कि पारेख कुटी (वैस्ट) प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम 1956 और पारेख कुटी
लिमिटेड के विषय में।

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 29793/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेख कुटी (ईस्ट) लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और पारेख कुटी (नार्थ)
लिमिटेड के विषय में

कलकत्ता, दिनांक 16 सितम्बर 1980

सं० 29795/560(5)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा कुटी (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि पारेख कुटी नार्थ का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

ए० बि० बिस्वास
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
पश्चिम बंगाल

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स गुजरात
आफसेट वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं०/2420/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 को उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स गुजरात आफसेट वर्क्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मैसर्स साउथ गुजरात
टंडेले ब्रदर्स शिपिंग डेवलपमेंट कम्पनी प्राईवेट
लिमिटेड के विषय में।

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं०/1694/560—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह

सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स माउथ गुजरात टंडेल ब्रदर्स शीपिंग डेवलपमेंट कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स गुजरात मरान केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल 1981

सं० 560/1994—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स गुजरात मरान केमिकल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

श्री० बाबूराणे
सहायक प्रमंडल पंजीयक गुजरात राज्य,
अहमदाबाद

कम्पनी अधिनियम 1956 और मेसर्स गोवा एग्ररेटेड वाटर्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

पणजी, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 196/जी—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स गोवा एग्ररेटेड वाटर्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एम० एल० गनविर,
कंपनियों का रजिस्ट्रार
गोवा, दमण और दीव

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ब्रिलियेंट रोडवेज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 5029/860(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ब्रिलियेंट रोडवेज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मरुदमलै बम ट्रान्स्पोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 5595/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मरुदमलै बम ट्रान्स्पोर्ट्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एम० आर० वी बम सर्विस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 4074/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एम० आर० वी० बम सर्विस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मद्रास आयुर्वेदिक स्टोर्स (सी०बी०ई०) प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 1566/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मद्रास आयुर्वेदिक स्टोर्स (सी०बी०ई०) लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नलन एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

मद्रास, दिनांक 15 अप्रैल 1981

सं० 1878/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नलन एण्ड कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और जवाहर चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 5750/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर जवाहर चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रिम प्रिंटिंग एण्ड ग्राफिक इक्विपमेंट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 5844/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रिम प्रिंटिंग एण्ड ग्राफिक इक्विपमेंट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और अलकोकूर होटल (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 5997/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर अलकोकूर होटल (मद्रास) प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और श्री अनुसूय चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 6012/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर श्री अनुसूय चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके

प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एच० बनर्जी

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेटवून् मेरेन एन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास, दिनांक 18 अप्रैल 1981

सं० 6146/560(3)/81—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नेटवून् मेरेन एन्टरप्राइसेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

ह० अपरुनीय

कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडु

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जुन रेंज, लुधियाना
लुधियाना, दिनांक 5 मई 1981

निदेश सं० चण्डीगढ़/142/80-81/827—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना जो भारत के राजपत्र, भाग III, खण्ड 1 के पृष्ठ 5628 पर सप्ताहान्त अप्रैल 25, 1981 को प्रकाशित हुई है, "सेक्टर 15-बी, चण्डीगढ़" के स्थान पर "सेक्टर 37-बी चण्डीगढ़" प्रतिस्थापित किया जाए, जहां कहीं भी अंकित हो।

सुखदेव चन्द

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना

प्रारूप धार्मिक टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० 533: अर्जुन/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे विवेक बनर्जी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसका सं० प्लॉट है तथा जो बाम्बे में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार/कर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14-8-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीनस्थतयों/अधिकृत्ययित अर्थात्:--

1. म० पटेल घनश्याम दास एन्ड कं० प्रा० लि० द्वारा आरटनीय श्री गोविन्द भास्करन निवासी 1864/4 महानक्षी मार्केट भागीरथ प्लेस गान्धी चौक देहली-110006 (अन्तरक)

2. श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता मालिक मार्टन पेपर प्रोडक्स निवास 54 न्यू गान्धी नगर गाजियाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयुक्त होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचा

एक किता प्लॉट नम्बर 10 स्थित आनन्द इन्डस्ट्रियल स्टेट जी० टी० रोड़, ग्राम अरथाला पो० व तह० गाजियाबाद जिला गाजियाबाद में स्थित है जिसकी बाजार मूल्य 3,11,120/- रु० और क्रय मूल्य 2,20,000/- है।

विवेक बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-4-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट,
नई दिल्ली-220002

नई दिल्ली, तारीख 15 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—
III/8-80/1033—अतः मुझे, आर० बी० लाल अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० ए०-39, है तथा जो कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
रुमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ए० तेजिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री जसवान सिंह
आनन्द भवन, सिविल लाईन, जालन्धर सिटी। (अन्तरक)
2. श्रीमती अमृत कौर धर्मपत्नी इन्द्र सिंह, श्रीमती
हरचरण कौर धर्मपत्नी एस० गुरनाम सिंह, श्रीमती इबबाल
कौर धर्मपत्नी एस० अमरजीत सिंह, श्रीमती इन्द्रजीत कौर
धर्मपत्नी एस० बलवीर सिंह और श्रीमती अमृत पाल कौर
धर्मपत्नी जगाधर सिंह निवासी ए-31, कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नाप : 508.5 वर्गज आधा पोरशन प्लॉट नं०
ए०-39, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली-I

तारीख : 15-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०1/एस०

8-80/958—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो भूमि देवला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के नीचे ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सज्जधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार, मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जगदी राम सुपुत्र श्री सीवर, एडप्टेड सुपुत्र श्री फकीरा, ग्राम देवली, दिल्ली। (अन्तरक)

2. मेसर्स ग्रानपार्क बिल्डर्स और प्रोमोटर्स, प्रा० लि०, 115-अन्तल वन 16-के० बी० मार्ग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 1 विघा, और 19 बीघाम खमरा सं० 659 (1-19), ग्राम-देवली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, दिल्ली-नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एफ्यू०-1/एस० आर०-

III/8-80/957—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसमें सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

3-56GI/81

1. श्री ईश्वर सिंह और दयानन्द स्वयं श्रीमती सहपी,
पत्नी श्री सीबा, श्रीमती राम मूर्ति और कस्तूरि सुपुत्री
श्री सीबा, श्री मोहिन्दर सिंह और राजिन्दर सिंह सुपुत्र
और रघुबीर सिंह, ग्राम देवली। (अन्तरक)

2. मेसर्स ग्रीनपार्क बील्डर्स और प्रोमोटर्स प्रा० लि०
115, अन्सल भवन, 16-के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहेस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 3 बिघा और 13 बिघा, खसरा नं० 658
(2-12) और 670 (1-01), ग्राम-देवली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, I दिल्ली, नई दिल्ली-1

दिनांक 15-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०—III/
8-80/956—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसका सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली में
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रार-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री सरदार सिंह, भगत सिंह सुपुत्र श्री लाल चन्द,
बलवीर सिंह, सुखबीर सिंह और बलजीत सिंह सुपुत्र श्री
सुधन, राजिवर सिंह, पुरन सिंह, तारा चन्द सुपुत्र श्री काली
राम, सभी निवासी ग्राम देवली। (अन्तरक)

2. मै० गोन पार्क बिल्डर्स और प्रमोटर्स प्रा० लि०
115-अन्सल भवन, 16-कै० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 6 बिघा खपरा नं० 670/1, ग्राम-देवली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-4-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लॉक,
इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्पू० 1/एस० आर०—
111/8-80/1034—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रयोग तथा प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० ए-39, है तथा जो कैलाश कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
(घोर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातु :—

1. श्री आनन्द भवन, सिवित लाईन, जलन्धर सिटी।
(अन्तरक)

2. श्रीमती अजित कौर पत्नी ईन्दर सिंह, श्रीमती हर-
चरण कौर पत्नी एल्स० गरनाम सिंह । श्रीमती इकबाल कौर
पत्नी श्री एस० अमरजीत सिंह। श्रीमती इन्दरजीत कौर
पत्नी एस० बलवीर तथा श्रीमती अजित पाल कौर पत्नी
श्री जंगहादुर सिंह, निवासी ए-3, कैलाश कालोनी, नई
दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्वास्थ्यकरगः— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि नाप—508.5 वर्ग गज, प्लॉट नं० ए०-39
का आधा हिस्सा, कैलाश कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन, एच ब्लॉक इन्द्रप्रस्थ स्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०—
111/8-80/1061—अतः मझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस
हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन मझम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० दुकान नं० 10, ब्लॉक "एम" है तथा
जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरतिथियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना बाहिर या ठिकाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम कपूर सुपुत्र स्वर्गीय श्री जगत नाथ कपूर,
और श्रीमती कैलाश कुमारी पत्नी श्री राम कपूर, एच-31,
कैलाश कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. कुमारी वक्षा शंकर, सुपुत्री श्री भवानी शंकर, 53,
गोल्फ लिंक, नई दिल्ली-31। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्रार्थना :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि
बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान नं० 10, ब्लॉक नं० 'एम' भूमि क्षेत्र 163.05
वर्ग मीटर, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/ एस० आर०-111/
8.80/992—अतः मझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-279 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-
11, नई दिल्ली-48 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली-1 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री मे.ज. जगजीत सिंह अहवालया सपुत्र श्री हरबिलास
राम स्थाई पता—आर० 25, ग्रेटर कैलाश, ईन दिल्ली-118048

(अन्तरक)

2. श्रीमती धनुका पत्नी श्री बनवारी लाल धनुका
निवासी-ई-560 ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-110048

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम-279, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-48,
क्षेत्र 409 वर्ग गज (534.5 वर्ग मीटर)

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /1/एस० आर०--

111/8-80/1049—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई०-482, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के बिना तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री ए० डी० जैन सुपुत्र स्वर्गीय श्री श्रीचन्द जैन ई-66, अन्सारी नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सत्य पाल अग्रवाल सुपुत्र श्री नानक चन्द, श्रीमती ऊषा रानी अग्रवाल, पत्नी श्री सत्य पाल अग्रवाल, ई-482, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 482, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली-48, क्षेत्र 550 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू० /1/एस० आर-

III/8-80/1048--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-61, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

1. श्री प्रेम दत्त शर्मा, सुपुत्र श्री यागा दत्त शर्मा, जे-18, साकेत, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री सरदार मोहन सिंह सुपुत्र श्री सरदार रतन सिंह सी-61, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० सी०-61, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली, स्थापित 300 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू० 1/एस० आर०—
III/8-80/974—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान नं० 21, है तथा जो कामशियल
काम्पलेक्स जी० के०-11, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. मेसर्स जी० एल० एफ बिल्डर्स, 21-22, नरीन्द्रा
दोस, पालियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अमनीक सिंह श्री प्यारा सिंह और श्री हरबंस
सिंह सुपुत्र श्री नारायण सिंह, सी-38, एन० बी० एस०
ई०, भाग-11, नई दिल्ली-110042। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दूकान नं० 21, ग्राउण्ड फ्लोर कामशियल काम्पलेक्स,
ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली-110048, (क्षेत्र 651.22,
वर्ग फिट)।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—
II/8-80/1935—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो मेहरोली, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरिनियों) के बीच ऐव अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किन्ना आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तित्वों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किन्ना जाना जा रहा था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-56GI/81

1. श्री देव प्रताप सिंह सुपुत्र श्री आई० पी० सिंह,
डी-48, हौज खास, नई दिल्ली द्वारा जनरल अटार्नी श्री
आई० पी० सिंह सुपुत्र श्री खेम चन्द, डी-48, हौजखास
नई दिल्ली, श्री एम० पी० सिंह सुपुत्र श्री आई० पी० सिंह,
डी-48, हौज खास, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री हरी किशन सानी सुपुत्र श्री लाला अमी चन्द
बिजय कुमार ट्रेहन सुपुत्र श्री लाला शम्भु नाथ ट्रेहन, अजय
कुमार ट्रेहन, विनय कुमार ट्रेहन सुपुत्र श्री शम्भु नाथ ट्रेहन
सी 3/4, सफदरजंग विकास एरिया, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाखेंप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 14 बिघा, और 9 बिघा विश्वास,
एम० नं० 29, कीला नं० 11 (4-11) 12 (4-16)
13 (2-16), 26 (0-10), एम० नं० 30 कीला नं०
15/2 (1-16), स्थापित—मेहरोली—नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1981
मोहर :

शारूप आई. टी. एन. एस. —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /I/एस० आर०—
III/8-80/1160—अतः मुझे, आर० बी० एल०
अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एफ० 58, है तथा जो ग्रीनपार्क, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री ईसर दास बैरी सुपुत्र श्री राधा किशन बैरी, ई-146, मालवीय नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री के० टी० थोमस, सुपुत्र श्री थोमस, एफ-58, ग्रीनपार्क, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० एफ०-58, ग्रीनपार्क, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एनयू० I/एस० आर०—
III/8-80/1099—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ब के
अधीन सञ्चन प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर संपत्ति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० एन-33, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन करने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाये में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 289-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती टोशी बेरी, सन्जीव बेरी, बी० के० बैरी,
32-क्रोस रोड, बरेली कैंट, (उ० प्रदेश) वर्तमान पता—
एन-33, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स एमनजेलीकल लुथरन चर्च, मध्य प्रदेश,
लुथर भवन, इ० एल० सी०, छिन्दवारा, मध्य प्रदेश, द्वारा
अधिशासी सचिव श्री यु० कुमार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरवटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

हाउस नं० एन०-33, ग्रेटर कैलाश-I, नई दिल्ली,
क्षेत्र 300 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 15-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-

II/8-80/1031--प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 133-144, है तथा जो न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 या 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती मातिया रानी, पत्नी श्री दीवान करम नराण, 141-142, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री देश राज सुपुत्र श्री मेला राम मदन और श्रीमती कृष्णा मदन पत्नी श्री देश राज मदन, 16/73, गली नं० 3, जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सरकारी भवन मकान नं० 143-144, न्यू राजिन्दर नगर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-

IIJ/8-80/1012—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम०-149, है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अर्जन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:--

1. श्रीमती कलास अग्रवाल और श्रीमती खीलावती ए-1/22, सफदर जग इन्क्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मेसर्स संजीत कंस्ट्रक्शन I (दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड, एम०-103, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एम०-149, 400 वर्ग गज (334.45 वर्ग मीटर), ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्राकृत्य धार्मिक टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/1/एस० आर० III
/8-80/1040--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए में अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 2 है तथा जो सुन्दर नगर
मार्केट, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिभासे प्रापक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
न तो पाया गया निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरक
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. डा० श्रीमती एम० बी० कगल पत्नी स्वर्गीय बी०
आर० कगल, पता--10, ईबल हो, 81, कैडील रोड, महिम
बम्बई-400016, वर्तमान पता--कमल मेमोरियल हाल,
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री बाल किशन दास सुपुत्र श्री एल० नाथुराम
2, सुन्दर नगर मार्केट, नई दिल्ली। (अन्तरिती)
को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि
किसी व्यक्ति द्वारा, पञ्चोद्दस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 2, दो मंजिला भवन बर्षाती के साह
नाथ--1350 वर्ग फीट; सुन्दर नगर मार्केट, नई दिल्ली
में स्थापित।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सं० [एक्यू/1/एस० आर०-III/8/80/1041--प्रतः मुझे, आर० बा० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसका सं० हिस्सा नं० 204, 2-मंजिल, है तथा जो डी० एल० एफ० हाउस नं० 40 (एफ०) में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, कनाट प्लेस, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहायक से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मेसर्स डी० एल एफ यूनाइटेड लिमिटेड 21-22 नरेंद्रा प्लेस, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली-11 (अन्तरक)
2. श्री राम कनवार, ईश्वर सिंह सुपुत्र श्री रामस्वरूप मैसर्स—रामस्वरूप, राम भगत, डी० सी० एम० स्टोर सम्पत्ति मण्डो, रोहतक। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

हिस्सा नं० 204, 2रा मंजिल, सामने का हिस्सा डी० एल० एफ० हाउस, 40 एफ० कनाट प्लेस, नई दिल्ली (क्षेत्र 492.35 वर्ग फिट)

आर० बा० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली; नई दिल्ली-1

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/1/एस० आर०—/III/8-80/1043—अन: मुझे, आर० बा० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विनष्टा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 90/67, है तथा जो मालवीय नगर, नई दिल्ली-1 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री निहलाल चन्द, 8-ई, सवर थाना, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती प्रतपाल कौर टन्डन और मास्टर जसपाल सिंह टन्डन, 90-67, मालवीय नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रार्थी नं० 90-67, मालवीय नगर, नई दिल्ली, स्थापित-200 वर्ग गज।

आर० बा० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/1/एस० आर०-
III/8-80/1047—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके द्वारा 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अन्तर्गत नवन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये में अधिक है

और जिसको सं० ई-86, है तथा जो एन० डी० एस०
ई०-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूच में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिका-
री के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पत्र प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निहित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायिल्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-56 GI/81

1. श्री मोहन लाल, ग्राम और पोस्ट सुजान, तहसील-
नवान शहर, जिला-जलन्धर (पंजाब)। (अन्तरक)

2. श्रीमती बीना अरोरा, सी/ओ-बीसाखा सिंह भवन,
ओसी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

क्षेत्र 200 वर्ग गज, 2.5 डाई मंजिला भवन, ई-86
नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंशन-1, नई दिल्ली-110049।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली:-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 1/एस० आर०-
III/8-80/1012—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-316, है तथा जो ग्रेटर कलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री हजूर सिंह और श्रीमती सतनाम कौर, द्वारा
श्री इन्दर सिंह, जो० पी० ए० हाउस नं० 4351, रेहगर
पुरा, के० बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री एच० एस० बेंद्रा, 25-रिंग रोड, लाजपत नगर
4, नई दिल्ली। (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

ई-316, ग्रेटर कलाश-II, नई दिल्ली, क्षेत्र 250
वर्ग गज ।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सा०/एक्यू०/1/एस० आर०—
III/8-80/1050—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब
के अधीन मन्त्र प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसको सं० बी०-19, है तथा जो डिफेंस कालोनी,
नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार करण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधिन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधि-
नियम के प्रयोग कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता संजागता मुरादा और श्री श्याम मुरादा।
(अन्तरक)

2. मेसर्स कपिटल लिमिटेड। 19, आर० एन० मुखर्जी
रोड, कलकत्ता-700001। (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और भवन बी०-19, डिफेंस कालोनी, नई
दिल्ली-110024।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सं०/एक्यू०/1/एस० आर०-
111/8-80/1058—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ई-501, है तथा जो ग्रेटर कलाश-II,
नई दिल्ली में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रार कर्ता अधिवार के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री संत राम सुपुत्र श्री एल० बुधराज, डी-80,
गुलमोहर पार्क, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अनिल कुमार सहगल सुपुत्र श्री एम० आर०
सहगल (1/3 सेयर), 2. श्रीमती कृष्णा नीरूला, परनी
श्री जे० सी० निरूला (2/3 सेयर) दोनों का निवास स्थान
डी-289, डॉकमेंस कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ई-501, क्षेत्र 248 वर्ग गज, ग्रेटर
कलाश-II, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 15 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०—III
8-80/1060—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उपनि बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसकी सं० ए०-1/62-93, है तथा जो सफदरजंग
इन्क्लेव विकास योजना में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. डा० विनोद राय गामी सुपुत्र श्री शांति लाल
गामी 23/3, हास्पीटल रोड, शक्ति नगर, दिल्ली-110007
(अन्तरक)

2. श्री उमा शंकर खन्ना सुपुत्र श्री जी० एस० खन्ना,
ए-1/56, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली-110016।
(अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आप्ञेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा, या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लोकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ए-1/62-63, सफदरजंग इन्क्लेव, विकास योजना,
नई दिल्ली-110016।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 15-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-I/
8-80/6862—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 141 प्लॉक नं०-1, है तथा जो
कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 19) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती जगदीश कौर पत्नी श्री कहन सिंह, 1/141,
कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर लाल जय लाल, श्री सुरिन्दर कुमार
श्री हरीश कुमार सुपुत्र श्री बक्षी राम, ज-32, कीर्ति नगर
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्रवाहियां करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 141, प्लॉक नं० 1, क्षेत्रफल 200 वर्ग-
गज, स्थापित कीर्ति नगर, नई दिल्ली, ग्राम-बसई दारापुर
दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981]

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
8-80/6861—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 51 ब्लॉक एफ है तथा जो
बाली नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें 'उपावृद्ध अनु-
सूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप में तय नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
योग्यता;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री थाजा राम पुपुत्र श्री सूरज भान, मकान नं०
2422, श्री नगर, गनेश पुरा, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री हन्स राज चावला, सुपुत्र श्री श्याम दास चावला
279-कचे तीहाड़, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के
लिए कायबाधियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

प्लॉट नं० 51, ब्लॉक नं० 'एफ' खसरा नं० 399622-
496/1929/2, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज, स्थापित—बाली
नगर, बसई दारापुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
आयकर सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-2

एच ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ स्टेट,

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० II/एस० आर० I/
8-80/6841—अतः मुझे, आर० वी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 30, ब्लॉक नं० 'सी' है तथा जो नेहरू
रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री चिरन्जी लाल सुपुत्र एल० मूलचन्द ग्राम-पोस्ट-
किलराय, तहसील, सांभर, जिला रोहतक, हरियाणा।
(अन्तरक)

2. श्री प्रेम नाथ चोप्रा, सुपुत्र श्री जीवन दास चोप्रा
पता-4532, आर्य पुरा, सब्जी मंडी, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

नं० 30, ब्लॉक 'सी' नेहरू रोड़, आदर्श नगर, दिल्ली
क्षेत्रफल -200 वर्ग गज

आर० वी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

एच ब्लॉक, विकास भवन, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट,

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20-अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर०-

1/8-80/6832—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 746-748 (नई) 403-ए (पुरानी) है तथा जो चर्च मिशन रोड, सराय अहमदपार्स में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6-56GI/81

1. श्री भागीरथ लाल सुपुत्र श्री स्वर्गीय श्री बनवारी लाल कर्ता, एच० यू० एफ० बनवारी लाल एण्ड संस, ए-1/39, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री यश पाल मनहोत्रा, सुपुत्र श्री लक्ष्मी नारायण मनहोत्रा डी-87, ईस्ट कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 746-748 (नई) और 403-ए (पुरानी)
वाई नं० 111, चर्च मिशन रोड, सराय अहमदपार्स, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एम० आर०-II

8-80/3824—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो हैबत पुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे जपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मनें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:-

1. श्री मदन लाल मुपुत्र श्री हरी राम, 29, परसुराम मन्दिर गली, नजफ गढ़, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री राज कुमार कपूर, मुपुत्र श्री के० एन० कपूर 27-बी, बसन्त लेन, पहाड़ गंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अग्रवाल

भूमि का क्षेत्रफल 19 बिघे और 3 बिघे, ग्राम हैबत पुर, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

पोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एचयू०/II/एस० आर०—

51/8-80/6817—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 38/73 है तथा जो पंजाबी बाग, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती लाजवन्ती विधवा पत्नी श्री गोबिन्द लाल
बीशम्बर लाल और महिन्दर पाल सुपुत्र श्री लधाराम,
30/73, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री आई० एस० नन्द सिंह सुपुत्र श्री लुभाया राम
जसबीर सिंह कुमार गरवीर सिंह कुमार सुपुत्र श्री 30/73,
पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

ग्राधा हिस्सा मकान नं० 30/73, पंजाबी बाग, नई
दिल्ली, पश्चिमी हिस्सा 545.415 वर्गगज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आर्द्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० /II/एस० आर०-
/8-80/6793—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-124 और सी-125, है तथा जो
कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री जागीन्दर पाल गुप्ता, जुगल किशोर गुप्ता,
मनोहर लाल गुप्ता, सुपुत्र श्री हन्स राज गुप्ता, सी-124,
कीर्ति नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री चमन लाल भाशीन, सुपुत्र श्री गनपत राय
भाशीन 32/18, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी हाउस प्लॉट नं० सी०-124, और
सी-125, क्षेत्रफल, 187.1/2 वर्गगज कीर्ति नगर, ग्राम
बसई दारा पुर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर :

प्रकरण आई० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
289-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर०—
1/8-80/6813-ए०—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
289-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० दूकान नं० बी/147-148 है तथा जो
चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त
1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाम की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कमी
करने या उससे बचने में बुद्धि का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रभावार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 289-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 289-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. म० दीपचन्द राम दास और सन्त, ए/6, मेय फेयर
गार्डन, नई दिल्ली साझेदार—श्री घनश्याम दास, श्री कन्हैया
लाल, श्री महिन्दर लाल, सुपुत्र श्री दीपचन्द, और श्रीमती
वीसना देवी पत्नी-दीप चन्द (अन्तरक)

2. श्री हरभजन सिंह, कुल बीर सिंह सुपुत्र श्री एस०
सन्तोख सिंह 5/56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की घोषणा के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
युक्त किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

82.84% शेयर, दुकान नं० बी-147/1478,
चान्दनी चौक, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज 2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर०-
1/8-80/6847—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 14/6, है तथा जो ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्रीमती रीशी देवी कपूर पत्नी श्री बी० डी० कपूर,
फ्लैट नं० 5/3, ब्लॉक नं० '0' सेक्टर नं० 13, आर० के०
पुरम। नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री विनोद भाटिया, परमोद भाटिया (छोट)
सुपुत्र श्री के० एल० भाटिया, 14/6, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली द्वारा के० एल० भाटिया। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनसूची

प्रापटी नं० 14/6, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/एस० आर०

11/8-80/3702-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

सं० 32/44 है तथा जो पंजाबी बाग, नई

दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच से अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री श्रीम प्रकाश चोप्रा सुपुत्र श्री एल० गोपाल दास, 32/44, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्री हरमोन्दर सिंह गुलाटी, सुपुत्र श्री किशन सिंह गुलाटी, 32/44, पंजाबी बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 32/44, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-II/8-80/3690—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विषयक उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ए-167 है तथा जो इन्दरपुरी नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धन की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धन या किसी धन या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री राम प्रकाश उपल, सुपुत्र श्री लाल चन्द उपल आर-200, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती कुष्णा कौत पत्नी मोहन लाल कौत, पता-तरमल लाल, 15 पचकुंडिया रोड, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-167, इन्दरपुरी, नई दिल्ली, क्षेत्रफल 200 वर्ग गज मौजे-नरायणा, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर०—
II/8-80/3682—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है,
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो बक्रौली, दिल्ली
खाता खतावनी, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख, अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी अन्य की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
7-56 GI/81

1. श्री सुरिन्दर सिंह खेरा सुपुत्र स्वर्गीय श्री विष्णुतर
सिंह खेरा डी-28, एन. डी० एस० ई०-I, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री शेर जंग बैरी (2) श्री इन्दर लाल बैरी
(3) वरीन्दर लाल बैरी सुपुत्र श्री एस० एल० बैरी, (4)
श्रीमती के० बैरी, पत्नी श्री एस० जंग बैरी, (5) श्रीमती
उषा बैरी, पत्नी आइ० एल० बैरी, (6) बीना बैरी पत्नी
श्री वी० एल० बैरी सबका पता 5/6, रूप नगर, नई
दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, 53 बिघे, 16 बिश्वास, ग्राम—बकवली,
दिल्ली खाता खतावनी।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली—

तारीख : 20-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/एस० आर०-II/8-80/3680—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-9, है तथा जो ग्राम नारायणा, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्रीमती कृष्णा कान्ता कपूर, पत्नी श्री मदन लाल कपूर मकान नं० सी-9, इन्दरपुरी कालोनी, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुमनेश कुमार, सुपुत्र श्री रतन लाल मकान नं० सी-52, नरायणा, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. 1/2 डेढ़ मंजिला मकान नं० सी-9, खसरा नं० 1650, स्थापित ग्राम-नारायणा, इन्दरपुरी कालोनी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 20-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-ए स० आर०-II/8-80/3679—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 70, ब्लॉक जे-3, है तथा जो राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों धर्मात् :—

1. श्री ओम प्रकाश, सुपुत्र श्री लक्ष्मण दाग, 1921, सैक्टर-9, फरीदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री द्वारका नाथ सुपुत्र श्री नन्द राय श्री सेवा राम सुपुत्र श्री द्वारका नाथ, जे-3/70, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1. 1/2 डेढ़ मंजिला मकान प्लॉट नं० 70, ब्लॉक नं० जे-3, क्षेत्रफल 160 वर्गगज, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रारूप धार्वी० टी० एन० एच०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० धार्वी० ए० सी०/एच०/II,एस० आर०-II/8-80/3678—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 41, रोड़ नं० 41, है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल ने, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के कारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अधिनियमों के अधीन :-

1. श्री हरभजन सिंह सुपुत्र श्री कीरपाल सिंह श्रीमती जोगीन्दर कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह 41/41, पंजाबी बाग, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री नानक आश्रम सैहर, जिला-लुधियाना द्वारा ट्रस्टी एस० कन्वालजीत सिंह, सुपुत्र श्री एस० गुरुबक्श सिंह (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्तक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

डी० एस० भवन, प्लॉट नं० 41, रोड़ नं० 41, 2222.22 वर्ग गज, पंजाबी बाग, ग्राम-मादोपुर, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 20-4-1981
 मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस.-----

1. ईस्ट इण्डिया होटल लिमिटेड, (अन्तरक)

2. श्री प्रीथी पाल सिंह लाम्बा, (कर्ता)
(अन्तरिती)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचनाको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०, II/एस० आर०-1/
8-80/6812—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० कोर्टेज नं० 9, है तथा जो 2-शामनाथ
मार्ग, दिल्ली-54 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-
सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—**अनुसूची**(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/याश्रीबराय कोर्टेज नं० 9, श्रीबराय अपार्टमेंट, 2-शामनाथ
मार्ग, दिल्ली-110054।(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सो०/एक्यू०-एस० आर०-I,
8-80/6791-अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 3-2, ब्लॉक एच, है तथा जो
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचा में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीमत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन:-

1. श्री बसन्त सिंह, सुपुत्र हकीम सिंह, एच-32, राजौरी
गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती दर्शन कौर सेधी, पत्नी श्री जसपाल सिंह,
जे-3/68, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1.1/4, मंजीला मकान, प्लॉट नं० 32, एच-ब्लॉक,
स्थापित-राजौरी गार्डन, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रकृप आई. टी. एन्. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/एस० आर०-11/8-80/3639—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 27, रोड 40 है तथा जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अगस्त 1980 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री हीरा नन्द सुपुत्र श्री चमन लाल, राम दास सुपुत्र श्री चमन लाल, श्रीमती शकुन्तला मलीक पत्नी श्री राम लाल मलीक, 27/40, पंजाबी बाग, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अनुज कुमार भल्ला सुपुत्र श्री ए० पी० भल्ला, श्रीमती कृष्णा भल्ला पत्नी श्री ए० पी० भल्ला, पता-ए-2, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 27, रोड नं० 40, 360.29 वर्ग गज, पंजाबी बाग, ग्राम-मादीपुर, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
संक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज-II, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० प्रार०-II
8-80/11/3640;—अतः मुझे, प्रार० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० सी-111, है तथा जो इन्दर
पुरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-4-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्तों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन :-

1. श्री ब्रिजेन्द्र नाथ भीतल, सुपुत्र श्री बाबू लाल
बी-7, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. सरदार हरी सिंह सुपुत्र श्री मेहर सिंह डब्ल्यू-जेड-2
बी, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्री होल्ड खाली प्लॉट नं० सी-111, क्षेत्रफल 500
वर्ग गज, स्थापित इन्द्र पुरी, नई दिल्ली।

प्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रकृत बाधों टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर०-I/

8-80/6811—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० बी-5/4, है तथा जो मोडल टाउन,
निकट किंगजवे कैम्प, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा—
8-56 GI/81

1. श्री ब्रजन्त लाल टंडन, सुपुत्र श्री लघा राम टंडन,
नं० 3110, सीरम्याद अहमद रोड़, दरियागंज, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती साजवन्ती कपूर, पत्नी श्री शाम सुन्दर,
श्री सुरिन्दर कुमार कपूर, श्री मोहिन्दर कुमार, श्री वीरेन्दर
कुमार, श्री बीजाय कपूर, सुपुत्र श्री श्याम सुन्दर, नं०
बी-5/4, मोडल टाउन, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

नं० 5/4, (प्लॉट नं० 4, ब्लॉक नं० 5), मोडल टाउन
निकट किंगजवे कैम्प, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 20-4-1981
मोहर :

प्रथम आई० डी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस० आर०-I/
8-80/6866—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के प्रयोजन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने
का कारण है कि एवावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जे-93ए, है तथा जो राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती हर कौर पत्नी श्री दयाल सिंह जे-93-ए,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती शीला रानी, पत्नी परमोत्तम लाल, ए-106,
विशाल इन्क्लेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रबन्ध के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त एवावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सकान नं० जे/93-ए, क्षेत्रफल 184 वर्गगज, राजौरी
गार्डन, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2-एस० आर०-1/

8-80/6860—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5/1, ब्लॉक-41 है तथा जो रोजनारा एक्स स्कीम, सिंह सभा रोड, में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री राम सहाय, सुपुत्र श्री गेहला राम 5/1, ब्लॉक नं० 41, सिंह सभा रोड शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री गुर सहाय और राम सरन, सुपुत्र श्री गेहला राम राम, 5/1, ब्लॉक नं० 41, सिंह सभा रोड, शक्ति नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5/1, ब्लॉक नं० 41, मकान का 1/3, हिस्सा, क्षेत्रफल 340- वर्गगज, स्थापित रोजनारा एक्स स्कीम, सिंह सभा रोड दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/
8-80/3701—प्रतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० ए० एल/7, है तथा जो हरी नगर,
तीहाड़, नई दिल्ली में स्थित (और इससे उपायधन अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्थियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती हुआता प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः :—

1. चौधरी जय नारायण, सुपुत्र चौधरी भगवान दास
2872, तीहाड़ मार्केट, तेलीवाड़ा, सदर बाजार, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री ईश्वर दयाल, सुपुत्र श्री पृथ्वी सिंह, 4238,
गली बाहुजी, पहाड़ी धीरज, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए-एल/7, खसरा नं० 84, ब्लॉक 'एल'
क्षेत्रफल-400 वर्गगज, स्थापित हरी नगर, तीहाड़, नई
दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० 2/एस० आर०-1/
8-80/6880—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० 4800-4801 है तथा जो राम बाजार,
कपड़ा बाजार, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बनवारी लाल सुपुत्र श्री रामचन्द्र, सी/ओ, गनेस
लाल किशोरी लाल, राम बजार क्लोथ मार्केट, दिल्ली द्वारा
श्री माम चन्द सराफ जी० ए० (रजि०) (अन्तरक)

2. श्रीमती शीला देवी, अजय कुमार, अनिल कुमार,
अरुण कुमार पत्नी और पुत्र श्री जगदीश प्रसाद, बैलन गंज,
आगरा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 4800-4801, स्थापित राम बाजार क्लोथ
मार्केट, दिल्ली क्षेत्रफल 60 वर्ग गज, 2-मंजिला मकान।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्रारूप आई. टी. एन. एस -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर-2/

8-80/3652—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 135/136, ब्लॉक 'सी' है तथा जो जवालाहरी, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानुद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शशीश कुमार मलहोत्रा, 41-ए, एम० आई० जी० फ्लैट, पीकेड 'सी' फेस-2, अशोक विहार, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अजय कुमार, रेलवे रोड, बहादुरगढ़, हरियाणा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 135/136, खसरा नं० 1/16/2, ग्राम जवालाहरी, नई सुल्तान नगर, नई दिल्ली, क्षेत्रफल-373-1/3 3, वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : 20-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

1. मै० ईस्ट इण्डिया होटल लि० 4, मेनगोई लेन,
कलकत्ता-700001।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना2. श्रीमती अन्जली सीबल, श्री रविन्दर मार सीबल,
होटल ओबराय पैलेस, श्रीनगर।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-1/
8-80/6829--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।और जिसकी सं० ओबराय डीलक्स-19, ब्लॉक 'सी'-3
है तथा जो ओबराय अपार्टमेंट, सामनाथ मार्ग, में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वांछित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अगस्त, 1980स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/याओबराय डीलक्स-19, ब्लॉक नं० सी-3, स्थापित
ओबराय अपार्टमेंट, सामनाथ मार्ग, सीबीएल लेन, दिल्ली-54(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।आर० बी० एल० अग्रवाल,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रारूप आर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आर्.टी.एन.एसू.०/2/एस० आर०-2/
8-80/3685--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो साहिबाबाद, दोलतपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से घाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री बीरेन्द्र सिंह सुपुत्र श्री गोर सिंह, ग्राम--पोस्ट--साहिबाबाद, दोलत पुर, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० झेलम उद्योग प्रा० लि०, 3641, लोहेवाली गली, चावरी बाजार, दिल्ली।

(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का क्षेत्रफल 1 बिघा, खसरा नं० 395, ग्राम साहिबाबाद, दोलत पुर, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

अर्जन रेंज, मागपुर

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, एच ब्लॉक, विकास, भवन,
इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/
8-80/3663--अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफगढ़
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्व रूप से बाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

9-56GI/81

1. श्री० नान्द प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पुसा रोड, नई
दिल्ली-1, द्वारा चन्द प्रकाश, द्वारा जेनरल अटर्नी सन्तोष
कुमार सुपुत्र श्री गोकल चन्द, 12-ए, औरंगजेब रोड,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अरुन चोपड़ा सुपुत्र श्री ए० आर० चोपड़ा
16-ए/13, डब्ल्यू /इ/ए-करोल बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिघे, और 5 बिघे, एम० नं० 21,
कीला नं० 13, ग्राम-नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, एच ब्लॉक, विकास भवन,

इन्द्रप्रस्थ इस्टेट दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/
8-80/3662---अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम-नजफ गढ़,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

1. मेसर्स चन्दर प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पुसा रोड़,
नई दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश द्वारा जैनरल अटर्नी सन्तोष
कुमार, सुपुत्र श्री गोकल चन्द, 12-ए, नजफ गढ़, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्रीमती किरन पी० चोपड़ा, पत्नी श्री प्रमोद चोपड़ा
6/20, गान्धी निकेतन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बीघे और 16 बीघे, एम० नं० 21,
कोला नं० 24, ग्राम नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीखः 20-4-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-2

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/
8-80/3668—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. मैसर्स चन्दर प्रकाश एण्ड सन्स, 41-मूसा रोड,
नई दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश और द्वारा जनरल अटार्नी-
सन्तोष कुमार सुपुत्र श्री गोकन चन्द, 12-ए, औरंगजेब
रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री विनोद चोपड़ा सुपुत्र श्री ए० आर० चोपड़ा
6-बी, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 16 बीघे, एम० नं० 34,
किला नं० 3, ग्राम-नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/ नई दिल्ली

तारीख : 4-4-1981
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, नई दिल्ली-II

नई दिल्ली-110002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/ए० यू/एस० आर०-II/
8-80/3669—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. मेसर्स चन्दर प्रकाश एण्ड-सन्स-41-पुसा रोड़,
नई दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश और द्वारा जेनरल अटार्नी-
सन्तोष कुमार सुपुत्र श्री गोकल चन्द, 12-ए, औरंगजेब
रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० इण्डिया फ़ाफ्ट-2-इ/1, स्वामी राम तीरथ
नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के धार्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस धार्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 7 बिघे और 5 बिघे, एम० नं० 34,
किला नं० 2 (4-16) एम० नं० 21, किला नं० 22/2
(2-9), ग्राम-नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-2

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/
8-80/3666—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफगढ़, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
का धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स चन्दर प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पुसा रोड,
नई दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश, और द्वारा जनरल अटार्नी
सन्तोष कुमार, सुपुत्र श्री गोकल चन्द 12-ए, औरंगजेग
रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती बीना चोपड़ा पत्नी श्री विनोद चोपड़ा
6-बी, आनन्द निकेतन, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त परामर्श के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
मे किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एवबटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 16 बिघे, एम० नं०
34, कीला नं० 4, नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-2

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/2/एस० आर०-2/
8-80/3667—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25 000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफ गढ़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. मैसर्स चन्दर प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पुसा रोड़, नई दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश और द्वारा अनुरल अटार्नी सन्तोष कुमार सुपुत्र श्री गोकल चन्द, औरगजेब रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० भीलेज क्राफ्ट 2-ई/1, स्वामी राम तीरथ नगर, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षत्र 4 बिघ और 16 बिघे, खसरा नं० 7, एम० नं० 34, ग्राम नजफ गढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रकरण पाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यू०-2/एस० आर०-2/3665/8-80—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो नजफगढ़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्वरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त, 1980

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण से, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मेसर्स चन्दर प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पुसा रोड, नई दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश और द्वारा जेनरल अटार्नी सन्तोष कुमार मुपुत्र श्री गोकल चन्द, 12ए, श्रीगंजेश रोड, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुनीता चोपड़ा पत्नी श्री अरुन चोपड़ा 16-ए/13, डब्ल्यू/ए/करोल बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बिघे और 12 बिघे, एम० नं० 21, किला नं० 17, ग्राम नजफगढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981
मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-2/
8-80/3664—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1 सै० चन्दर प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पुसा रोड़, नई
दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश, द्वारा जेनरल अटर्नी-सन्तोष
कुमार, मुपुत्र गोकल चन्द, 12-ए, श्रीरंगजेब रोड़, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री प्रमोद चोपड़ा, मुपुत्र श्री ए० आर० चोपड़ा
6/20, शान्ती निकेतन, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बिघे और 16 बिघे, एम० नं० 21,
कीला नं० 23, ग्राम नजफगढ़, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली-220002, दिनांक 20 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-2/एस० आर०-2/
8-80/3661—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम नजफगढ़,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपानद्ध अनुसूची में और
पूर्व रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अगस्त 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों बधाई:—

1. मै० चन्दर प्रकाश एण्ड सन्स, 41-पूसा रोड़,
नई दिल्ली द्वारा चान्द प्रकाश, द्वारा—जेनरल अटार्नी सन्तोष
कुमार, सी/ओ, गोकल चन्द, 12-ए, श्रीरंगजेब रोड़, नई
दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री अरुन चोपड़ा, सुपुत्र श्री ए० आर० चोपड़ा
16-ए/13, डब्ल्यू/ई/ए करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4-बिघे और 13 बिघे, खसरा नं०
18/1, एम० नं० 21, ग्राम नजफगढ़, दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 20-4-1981

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर,

बंगलूर, दिनांक 2 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/27855/80-81/ए० सी०
क्यू० बी०—अतः मुझे आर० तोतावी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० आर० एस० सं० 181/2 टी० एस० सं० 1172
और डोर सं० 4-6-610 है, तथा जो कोडियल बेलगांव कोडियलबेल
वार्ड में स्थित है (और इस से उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बंगलूर
सिटी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन ता० 14-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी निम्नी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० राजा गनेडा शेनाय के मागेश शेनाय
के पुत्र, केनेश बैंक नारीमन पाइन्ट ब्रांच, बंबई-21
इसके स्पेशल पावर आफ अटारनी होल्डर है
श्री ए० लक्ष्मन कामते, ए० रामचंद्र कामत के पुत्र,
डोंगेर केरी, बंगलूर-3

(अन्तरक)

(2) श्री के० रामचंद्र शेनाय श्री० के० केशव शेनाय
के पुत्र, मर्चेन्ट बुन्देर, बंगलूर-1

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 559/80-81 ता० 14-8-80)

धर संपत्ती है जिसका आर० एस० सं० 181/2, टी०
एस० सं० 117/2 और डोर सं० 4-7-610 तथा जो
कोडियलबेल, गांव में कोडियलबेल वार्ड मंगलूर सिटी
चकबंदी है।

उ० में—डी० एल० लेन,

द० में—सर्वे लेन,

पू० में—टी० एस० सं० 117/2 के विभाग

प० में—टी० एस० सं० 117/2 के विभाग

आर० तोतावी,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

तारीख : 2-4-1981

मोहर :

प्ररूप आर्द. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28318/80-81/—अर्जन
बी—यतः मुझे आर० तोतात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 737 है, तथा जो लक्ष्म, बिलडीनास
चिक्कपेट क्रास रोड़ बेंगलूर सिटी में स्थित है और इस से
उपाबद्ध अनूसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 18-9-1980

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमती अम्बिका दिवंगत वि० एन० रंगनाथराव
की पत्नी सं० 35/5, टाटा सिल्क फार्म II में
रोड़, III गाप लेन बसवनगुडी बंगलूर--4।
(अन्तरक)

2. श्री बिपिन चन्द्र ए० मेहता दिवंगत अनूपचंद्र आर
मेहता के पुत्र सं० 737, चिक्कपेट क्रास रोड़
बेंगलूर सिटी)
(अन्तरिती)

3. श्री जयंतीलाल आर० झा सं० 737, चिक्कपेट
क्रास रोड़ बेंगलूर
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 2453/80-81 ता० 18-9-1980)

धर संपत्ती है जिसका सं० 737, लक्ष्मन बिलडीनास,
चिक्कपेट क्रास, रोड़ बेंगलूर सिटी।

चक्रबंदी है :

उ० में—एन० संपतकुमार के संपत्ती

द० में—कामन प्यासेज

पू० में—सं० 738, नरेणचंद्र ए० मेहता के संपत्ती

प० में—चिक्कपेट क्रास

आर० तोतात्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-4-1981

मोहर।

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28319/80-81/एक्यू०

बी०—यतः मुझे आर० तोतात्री,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 740, है, तथा जो लक्ष्मन बिल्डींग चिक्कपेट फ़ास रोड बंगलूर सिटी में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुशुचि में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीधर्ता अधिका-कारा के कार्यालय, गांधीनगर बंगलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 18-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यत्र विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसकी दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्त) और अन्तरिती (अन्तरिर्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

(1) श्रीमती अम्बम्मा दिवंगत वि० एम० रंगनाथराव को पत्नी सं० 35/5, टाटा सिल्क फार्म II में रोड III पाप जेन बसवनगुडी, बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री घनवंत कुमार ए० दिवंगत अनूपचंद आर० महता के पुत्र, सं० 740, चिक्कपेट फ़ास रोड बंगलूर सिटी।

(अन्तरिती)

(3) श्री पी० लक्ष्मन्ना शेटी एंड सन्स (2) मसर्स रामकृष्ण कमरणीयल कारपोरेशन सं० 740, चिक्कपेट फ़ास रोड बंगलूर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2454/80-81 वा० 18-9-80)

धर संपत्ती है जिसका सं० 740, लक्ष्मन बिल्डींगस में। चिक्कपेट फ़ास रोड बंगलूर सिटी।

चकबंदी है

उ० में --श्री एन० संपतकुमार के संपत्ती

प० में--कामन प्यासेज

पू० में--श्री एन० आर० टीगाईस के संपत्ती

प० में--सं० 739, हुरदाव राय ए० मेहता के संपत्ती

आर० तोतात्री

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 3-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एत०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3-4-1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28320/80-81—एक्यू बी०—

बतः मुझे धार० तोताजी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के
अधीन तत्तन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में
अधिक है

और जिसकी सं० 738, है तथा जो लदमन बिल्डींग्स चिक्कपेट-
क्रास रोड बंगलूरसिटी में स्थित है (और इस से उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 19) के अधीन ता० 18-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष
प्रतिगत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी
(अन्तरिनीयों) के बीच रें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती अम्बम्बा दिवंगत बी० एन० रंगनाथराव
की पत्नी सं० 35/5, टाटा सिल्क फार्म II मेन
रोड, शाप लेन, बसवनगुडी बंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री नरोषचंद्र ए० मेहता दिवंगत अनूपचंद आर०
मेहता के पुत्र सं० 738, चिक्कपेटक्रास रोड
बंगलूर सिटी।

(अन्तरिनी)

(2) श्री के० सी० नरसिंहमूली सं० 738, चिक्कपेट-
क्रास रोड, बंगलूर।

(2) सी० एन० चार सं० 737 सं० 739 चिक्कपेटक्रास
रोड।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2455/80-81 ता० 18-9-80)

घर संपत्ती है जिसका सं० 738, लछमन, बिल्डींग्स में
चिक्कपेटक्रास रोड बंगलूर सिटी।

चकबंदी है।

उ० में—श्री एन० संपत कुमार के संपत्ती

द० में—कामन व्यासज,

पू० में—श्री हरषवरा मेहत के संपत्ती है जिसका सं०
739।प० में—श्री बिपीन चंद्र ए० मेहता के संपत्ती है जिसका
सं० 737

आर० तोताजी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर

तारीख 3-4-1981

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 3 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी० आर० 62/28321/80-81/एक्यू/बी०—
यतः मुझे आर० तोताप्पी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 739, है तथा जो लक्ष्मन बिलडींग्स,
चिक्कपेट क्रास, रोड़ बेंगलूर सिटी में स्थित है (और इस से
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 18-9-1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के आगत बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अनारित को गड़ है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि परापूर्वक सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
प्रसरण के लिए नर गारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त प्रसरण लिखित में वास्तविक रूप से किया
नहीं किया गया है :—

(क) प्रसरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के प्रसरण के
शायित्व में कमी करा या उपसब्धने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती अम्बम्मा दिवंगत वि० एन० रंगानाथरवा
की पत्नी सं० 35/5, टाटा सिल्क फार्म II में
रोड़, III शाप लेन नसवनगुडी बेंगलूर-4

(अन्तरक)

(2) श्री हरषदराव ए० मेहता दिवंगत अनुपचंद आर०
मेहता के पुत्र, सं० 739, चिक्कपेट क्रास रोड़
बेंगलूर सिटी।

(अन्तरिती)

(3) 1 मोतीलाल हुसैनलाल अंड को सं० 739, चिक्कपेट
क्रास रोड़ बेंगलूर।

(2) सी० एन० चार सं० 737 से 739, चिक्कपेट
क्रास रोड़ बेंगलूर

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी धाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्ष्यीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उद्देशों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही पर्व होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2456/80-81 ता० 18-9-80)

धर संपत्ती है जिसका सं० 739 लक्ष्मन बिलडींग्स
में चिक्कपेट क्रास, रोड़ बेंगलूर सिटी।

चक्रवर्दी है।

उ० में—एन० संपतकुमार के संपत्ती,

द० में—कामन प्यासेज

पू० में—संपत्ती सं० 740,

प० में—संपत्ती सं० 738,

आर० तोताप्पी)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज बंगलूर,

तारीख : 3-4-1981

मोहर.

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

पटना, दिनांक 14 अप्रैल 1981

निर्देश सं० III 483/अर्जन/81-82—अतः मुझे हृदय
नारायण

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० थाना सं० 4 तौजी सं० 14849 खाता
सं० 103 वार्ड सं० 33 सकिल सं० 246 है
तथा जो दुजरा पटना में स्थित है (और इससे उपरबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 19) के अधीन तारीख 21-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम की अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री लल्लू लाल चौधरी पिता स्व० श्री द्वारिका
प्रसाद चौधरी बहैसियत खुदबोली श्री राजकिशोर
जयसवाल और श्री बृज किशोर जयसवाल अल्प
व्यस्क पुत्रगण निासी मुहल्ला दुजरा पटालय जी०
पी० ओ० स्थाना बुद्धा कोलोनी पटना शहर
पटना।

(अन्तरक)

(2) श्री राजनाथ सिंह पिता स्व० श्री शीतल सिंह
निवासी ग्राम दरियापुर प्रेम पटालय मसौठा
थाना पालीगंज जिला पटना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धुरारी जमीन का रकबा 2 कठ्ठा 1 घुर 5 धुरकी जो
मौजा दुजरा थाना बुद्धा कोलोनी जिला पटना में स्थित है
तथा पूर्णरूप से वासिक नम्बर 6294 दिनांक 21-8-1980
में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधि-
कारी पटना द्वारा की गयी है।

हे

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र,
बिहार, पटना

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्रकृष घाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 18 अप्रैल 1981

निर्देश सं० III/484 अर्जन/81-82—अतः मुझे, हृदय नारायण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सत्रम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० थाना नम्बर 12, खेसरा नं० 187 है तथा जो शादीकपुर योगी थाना कंकड़बाग, पटना में स्थित है (और इससे उदाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-8-80

को पूर्णतः सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

(1) श्री कुलदीप बल्लद स्वर्गीय श्री मंगल प्रसाद यादव निवासी ग्राम वारीश खां तालाब, कुम्हारार थाना सुलतानगंज, जिला पटना ।

(अन्तरक)

(2) श्री जय प्रकाश गुप्ता आत्मज श्री श्रोम प्रकाश गुप्ता निवासी ग्राम जंगत नारायण रोड थाना कदम कुआं, पटना ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के धार्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन धार्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का रकबा 15 डीसमल जो मौजा शादीकपुर योगी थाना कंकड़बाग जिला पटना में स्थित है तथा पूर्ण रूप से वासिका नम्बर 5133 दिनांक 11-8-80 में वर्णित है एवं जिसका निबंधन जिला अवर निबंधक पदाधिकारी पटना द्वारा की गई है ।

हृदय नारायण
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन परिक्षेत्र
पटना

तारीख : 18-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 31 मार्च 1981

निर्देश सं० 895/एक्यू० आर-III/80-81—यतः, सुभे
आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2/6, है तथा जो गरियादाट रोड (साउथ)
कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और,
पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख 14-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ह्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके ह्यमान प्रतिफल से, ऐसे ह्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

11-56GI/81

- (1) श्री विभूति भुषण भट्टाचार्य।

(अन्तरक)

- (2) कुमारी प्रतिमा बासु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन का ठिकाना :-

1/216, गरियादाट रोड (साउथ),

कलकत्ता, 2 के०—9 छः—18 वर्गफुट

आई० वी० एस० जुनेजा,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 31-3-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री सहदेव बिश्वास अन्तरक)

(2) कुमारी राधाश्याम पाल

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कलकत्ता का कार्यालय,

कलकत्ता, दिनांक 7 अप्रैल 1981

निर्देश सं० ए० सी० II रेंज IV/कल०/1981-82—

यतः, मुझे के० सिंहा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 213 है तथा जो चामपाबेरिया स्थित है
और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पुनरूप से वर्णित है,
जिह्द्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आदिपारा में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
14-8-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल को
पन्ना प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

213 चामपाबेरिया मौजा में 8 काटा जमीन का साथ
मकान का सबकुछ जैसे 1980 का दलिल सं० 4137 में
और पूर्णरूप से वर्णित है।

के० सिंहा

सक्षम प्राधिकारी

: सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज सीकलकान्ता

54, रफीग्रहमद कदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 7-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्री अजित कुमार चक्रवर्ती,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी मनेकुणे कोपारेटिख हाउजिंग सोसाइटी लि०

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, महाराष्ट्र आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० 898/एक्यू० आर०-III/81-82—यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 45 सी०/आईजे०/1, और 45सी०/आईजे० है तथा जो मुर एमिनु, कलकत्ता, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है)। रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 27-8-1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए नग्न तथा गन्त प्रातफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण विधित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन हर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का ठिकाना:—

45 सी० 1ज०/1, मुर एमिनु, कलकत्ता.

45 सी०/1जे०, मुर एमिनु, कलकत्ता,

जमीन का पूरा माप 8 के०-4 छ 25 वर्ग फीट

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III

54 रफीअहमद किवदवाई रोड

कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख: 15-4-1981

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती बिथि बनार्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) कुमारी मनिकुणी कोपारेटिभ टाउजि सोसाइटी
लि० :

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज कलकत्ता

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

कलकत्ता, दिनांक 15 अप्रैल 1981

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 899/अर्जन प्रार-III/81-82—अतः मुझे
आई० वी० एस० जुनेजा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 45, है तथा जो मुर एमिन कलकत्ता, में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 27-8-1980

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवरोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

जमीन का ठिकाना :—

45. मुर एमिन, कलकत्ता.
Area 6K-10Ch-15 sq. ft.

आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जन रेंज-III
54, रफीग्रह्व किदवाई रोड,
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

तारीख : 15-4-1981
मोहर :

प्ररूप आइ. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एल० सी० 482/80-81—यस: मुझे,

वी० मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
[सर्क पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है], की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिचूर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिचूर में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
2-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के धारित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्रीमती लीलामा, गीता मेनोन, मैतिनी मेनोन
और और कामिनी मेनोन

(अन्तरक)

(2) होटल सेवन हिल्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

26 cents of land in Sy. No. 2030/1 and 2030/2
of Trichur Village.

वी० मोहनलाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 10-4-1981

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एल० सी० 501/81-82—यतः मुझे, वी०

मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो ट्रिचूर
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ट्रिचूर
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 11-8-80

का पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती बड़कम अम्मा
है

(अन्तरक)

(2) श्री पी० रामकृष्ण

(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

8.75 cents of land with building in Sy. No.
1884/5 of Trichur Village.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-4-1981
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमति अन्नाम्मा वर्ली

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० जे० जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एल० सी० 502/80-81—यतः मुझे, वी०

मोहनलाल

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो आलप्पी में
स्थित है (और इससे उपायद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलप्पी में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 28-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

54 cents of land in Sy. No. 289/4B, 289/2/3
and 289/7/2 & Alleppey Village.

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आम्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 10-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री कुर्यन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

(2) श्री पी० जे० जोसफ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रवर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

उक्त सम्पत्ति के प्रवर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

कोचिन-15, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एल० सी० 503/81-82—यतः मुझे, वी०
मोहनलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, 4 जो आलप्पी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलप्पी
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
15) के अधीन 28-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूपा से कटित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

राष्ट्रीयकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

54 cents of land with shed in Sy. No. 289/7/2
of Alleppey Village.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 10-4-1981
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन, दिनांक 13 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एल० सी० 504/81-82—यतः मुझे, वी०

मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, 4 जो एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 11-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—56GI/81

(1) श्रीमती अम्बाजी कार्तायिनि अम्मा मालवी अम्मा, नलिनी अम्मा और नयदेवी अम्मा

(अन्तरक)

(2) एउसें बाला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्विबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1.725 Cents of land with a two storeyed building in Sy. No. 1229/1 of Ernakulam Village.

वी० मोहनलाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 13-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एच.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र 57, राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 अप्रैल 1981

निर्देश सं० आर० 154/अर्जन—अतः मुझे, अमरसिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 90-ए है तथा जो टैगोर टाउन इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अहित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री दादूजगदीश प्रसाद मिह ।

(अन्तरक)

(2) श्री रमा वर्मासर्वेण राजेण दवेश, अनोण नावालिग पुत्र गिता/संरक्षक डा० बृजलाल वर्मा

(अन्तरिती)

(3) श्री० बी० मजूमदार किरायेदार व अन्य तौ अनधिकृत व्यक्ति ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जहाँ भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सर्वे नं० 115, जो कि ग्राम तलावली चांदा, इन्दौर में स्थित है।

मकान नं० 90-ए, बाके मोहल्ला टैगोर टाउन शहर इलाहाबाद जो कि 1197 वर्गगज भूमि पर बना है तथा वह सब सम्पत्ति जिनका वर्णन सेलडीड एवं फार्म 37 जो संख्या 3228 में है और जो कि सब रजिस्टार इलाहाबाद के कार्यालय में 7-8-1980 को पंजीकृत किये जा चुके हैं।

अमरसिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 7-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) ले० कर्नल कमल कुशन वर्मा ।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मंजू मिश्रा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र 57, राम तीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 15 अप्रैल 1981

निर्देश सं० एम० 113/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० एच० आई० जो० 67 है तथा जो अलीगंज लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-8-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एच० आई० जो० 67 अलीगंज लखनऊ क्षेत्रफल 2852.50 वर्ग फिट लोजहोल्ड तथा वह सम्पूर्ण संपत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जी संख्या 5154/80 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 22-8-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 15-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र 57 राम तीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निर्देश सं० के० 98 अर्जन—अतः मुझे, अमरसिंह
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 289/211/1 है तथा जो गौतमबुद्ध मार्ग
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ
में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 14) के
अधीन, तारीख 27-8-1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री प्रताप सिंह

(अन्तरक)

(2) श्रीमती कुन्दोबाई आशुमल

(अन्तरिती)

(3) उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

लोजहोल्ड प्लॉट नं० 369 ए पर बने हुए दो मंजिला
मकान म्यूसिपल नं० 289/211/1 का पूर्वी भाग स्थित
मोर्तानकर लखनऊ व वह समस्त सम्पत्ति जो सेलडीड तथा
फार्म 37 जो संख्या 5319 में वर्णित है जिसका पंजीकरण
सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 27-8-1980
को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

(1) श्री फेथराय

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री के० डी० वर्मा श्रीमती सुनीतावर्मा

(अन्तरगत)

भारत सरकार

(3) उपरोक्त

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57, राम तीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निर्देश सं० के० 99-अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिनका सं० 498/200 विगप राकी स्टीट लखनऊ है तथा जो लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 24-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लोज होल्ड प्लॉट नं० 7 क्षेत्रफल 13650 वर्ग फिट पर बना हुआ मकान नं० 498/200 स्थित विगप राकी स्टीट फौजाबाद रोड थाना महानगर शहर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो मेलडीड और फार्म 37 जो संख्या 5285 में वर्णित है जिनका पंजीकरण लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 24-8-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ।

तारीख : 22-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज:-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 6 अप्रैल 1981

निर्देश सं. 10948/80--अतः मुझे, श्रीमती एताबाल-
कृष्णन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिनकी सं० 14/25/1 रंगनूर गांव, कोयमबतूर है,
जो में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकां के कार्यालय गापुरम,
कोयमबतूर (डाकूमेंट सं० 2877/80 में राजर्द्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 1

21-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
व्ययित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम का धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) श्री आर० वेकटेश

(अन्तरक)

(2) श्री आर० दामोदरन

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

(भूमि और निरमन 14/25/1, रंगनूर गांव, कोयमबतूर
डाकूमेंट सं० 2877/80)

राधाबालकृष्ण

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-II मद्रास

तारीख 6-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

(1) श्रीमती पी० जेयलकंशमि (अन्तरगत)

(2) श्री आर तामोदरन (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास-6, दिनांक 8 अप्रैल 1981

निर्देश सं० 10943/80—अतः मुझे श्रीमती राधा-
बालकृष्णन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15/104, बार्ती पार्क रोड, कोयमबतूर है,
जो कोयमबतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कोयमबतूर डाकूमेंट सं० 2978/80 में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 15/194, बार्ती पार्क रोड,
कोयमबतूर डाकूमेंट सं० 2978/80)

राधाबालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास-6

तारीख : 8-4-1981
मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

(1) श्री वी० एस० तियागराजन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सत्यवती मुत्तु, (अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप।—

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1981

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

निर्देश सं० 10950/80—अतः मुझे श्रीमती राधाबालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 16-ए, बारती पारक रोड, कोयमबतूर है, जो कोयमबतूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयमबतूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) डाकूमेंट सं० 2922/80 के अधीन दिनांक 21-8-1980

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदितकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(भूमि और निर्माण 16-ए, बारती पारक रोड, कोयमबतूर डाकूमेंट सं० 2922/80)

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

राधाबालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास—II

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

तारीख : 8-4-1981
मोहर :

प्रारूप आइ. टी. एन. एस.-----

(1) श्री एन० जेयचन्तिरन और अर्दस

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री सि० हेस कृष्णमूरति।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 अप्रैल 1981

निदेश सं० 1549/80—अतः मुझे श्रीमती राधा बालकृष्णन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33 महाराजा सूरथराव रोड आलवार पेठ मद्रास-18 है, जो में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मद्रास सील (डाकूमेंट सं० 1549/80) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16 के अधीन 21-8-1980

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13-56GI/81

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सप्ताहवन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सपस्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में बिना गया है।

अनुसूची

भूमि और जिरमाज 33, महाराजा सूरथ राव रोड,
आलवार पेठ, मद्रास ।
(डाकूमेंट सं० 1549/80) ।

राधा बालकृष्णन
सक्षम प्राधिकारी
[सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज मद्रास

तारीख : 8-4-1981
मोहर

प्रकृप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1104 /एकबी/23-II/81-

82—अतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० नोट नं० 10/783 है तथा जो अमबाजी
रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपापन्न अनुसूची में और
पूर्ण रूप में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 5-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अदती प्राइवेट जमपा बाजार, सूरत
(अन्तरक)

(2) (1) डायरेक्टर, मार्गदर्शन एपार्टमेंट प्राइवेट लिमिटेड
(2) श्री किशोर मंगललाल शाह (3) श्री इन्द्रजीत धीरज
लाल हुनसोदी, रतनशंकर मास्टर पोल, अमबाजी रोड,
सूरत

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं० 10/783, अमबाजी रोड, सूरत
रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-8-1980 में रजिस्ट्री कि
गयी है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 7-4-1981
मोहर :

प्रकृष माई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 7 अप्रैल 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1105/एकवी० 23-II/81-82

—प्रतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० नांद नं० 4067, 4068 है तथा जो नावापुरा, लाद शेरी, सुरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) बाबुलाल रनछेडादास ।
- (2) कीरती कुमार बाबुलाल ।
- (3) अनिलकुमार बाबुलाल ।
डाक्टर अम्माराम मर्चेंट रोड,
बुलेशवर, बांमबे ।
- (4) रसिकचन्द्र धीरजलाल 'हनसोटी बि० न० सि०;
दुसरा मंजिला ।
- (5) अनुपम एपार्टमेंट, भागा तालाब गंगाराम किकाभाई
मोदी, अनी बेसनत रोड सुरत ।

(अन्तरक)

डायरेक्टर, "माकृपा" एपार्टमेंट,

- (1) श्री किशोरचन्द्रा मगन लाल शाह, 1/380, सोनी
फलिथा, सुरत ।
- (2) श्री भुपेन्द्रकुमार यशवन्तलाल धितानिथा, नावापुरा
कारवा रोड, सुरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करती हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मिलकत जो नावापुरा, लाद शेरी, "माकृपा" एपार्टमेंट, रोड नं० 3 सुरत में स्थित है । जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-8-1980 में रजिस्ट्री की गयी है ।

मांगी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद ।

तारीख 7-4-1981

मोहर :

प्रकरण 101 डी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर अधिकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 अप्रैल 1981

निर्देश सं० 1106 एकवी/23-II/81-82—अतः मुझे, मांगी लाल, सक्षम अधिकारी, 1981 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी की, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 15,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० नोट नं० 175, गन्धी शेरी में है। तथा जो नावापुरा, सुरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सुरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि धंधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिकी (अन्तरिकियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सूचना से उक्त अन्तरक लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरिक के अन्तरिक में कमी करने की उससे पहले में सूचना के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूचना के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अमबाराम नागिनदास, खुद और करता और कुनबा का मैनेजर, करन नगर सोसाइटी अदाजन पाटीया। सुरत। (2) श्री हरिबाबान अमबाराम खुद और मेनर हेमनतकुमार का रेफरेंस

(3) श्री प्रवीणचन्द्र अमबाराम (4) श्री भगवान दास प्रेम चन्द। (5) श्री मनहरलाल भगवान दास चावला। (6) श्री भरतकुमार भगवानदास चावला। (7) श्री विपिनचन्द्रा भगवानदास चावला। (8) श्री रतिलाल प्रेमचन्द चावला। (9) श्री अगदीश कुमार रतिलाल चावला। (10) श्री सुरेश रतिलाल चावला। (11) श्री छबिलदास प्रेमचन्द चावला। (12) कमला बेन प्रेमचन्द। (13) श्रीमती दालिबेन प्रेमचन्दभाई चावला। (14) श्रीमती रामनबन प्रेमचन्द चावला। (15) श्री शान्तीलाल मगन (16) श्री अदरेशचन्द्रा शान्ती लाल (17) श्रीमती सरस्वतीबेन मगन लाल। (18) कुसमबेन मगनलाल (19) कालावती बेन मगन लाल

(अन्तरक)

(2) श्री नविनचन्द्रा उत्तमराम गोलवाला, (2) श्री पंजज उत्तमराम गोलवाला, (3) श्री मीनाक्षी राजेन्द्रा-कुमार, नावापुरा गान्धीशेरी सुरत।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या अक्षय्यवर्षी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वहस्ताक्षर—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं० 175, वाई नं० 3, गन्धी शेरी, नावापुरा, सुरत में स्थित है। जो सुरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 16-8-1980 में रजिस्ट्री की गयी है।

मांगी लाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8-4-1981

मोहर :

प्ररूप आर्. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद

मदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1107/एक्यू० 23-2/81-82

—प्रतः मुझे मांगी लाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० वार्ड नं० 13, अतक आर० एस० नं० 7 पैकी प्लॉट नं० 2 में है तथा जो सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धस्तारि की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और धस्तारिती (अन्तरितीवों) के बीच ऐसे धस्तारण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धस्तारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) धस्तारण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के धस्तारक के बायिल्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धस्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती गमनबेन खगोलदाम
कानडवाला, कानडवाला शेरी,
वार्ड अलिया, सूरत।

(अन्तरक)

(2) श्री सतेशचन्द्रा जयनमीलाल शाह,
श्री राजेन्द्रा जयनमी लाल शाह,
8/15-29, गोपिपुरा, मेथिन रोड,
सूरत।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो वार्ड नं० 13, अतवा, आर० एस० नं० 7 पैकी जमान प्लॉट नं० 2 में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 5-8-1980 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 10-4-1981
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रैंज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1108/एकवी/23-II/81-82

—प्रतः मुझे मांगीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नोट नं० 2862, वाड नं० 2, माली मलिया है। तथा जो साग्रामपुरा, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूचा में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-8-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अधीन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपयुक्त बचन में मुक्ति के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती जेलिबेन, भाईलाल नानुभाई का विधवा उर्फ—ताकोरभाई भिरवाभाई,
माली मलिया, साग्रामपुरा, क्षेत्रपाल शेरी, सूरत।
(अन्तरक)

(2) (1) मोहम्मद सादीम अब्दुल हमीद,
लुहार शेरी, साग्रामपुरा, सूरत।

(2) श्री नूरबेग रसूलबेग मिरजा का पत्नी शमोन बीबी
लुहार शेरी, साग्रामपुरा, सूरत।
(अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मिलकत जो नोट नं० 2862, वाड नं० 2, साग्रामपुरा, सूरत में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 29-8-80 में रजिस्ट्री की गई है।

मांगो लाल
सश्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रैंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 13-4-1981

मोहर:

प्रकृष्ट आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० पी० आर० नं० 1109/एकयु/23-II/81-82---

अतः मुझे मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 264/2 है। तथा जो कालोल में स्थित है (और इससे उपायध्व अनुसूचों में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय कालोल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अर्जन 8-8-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को बिना भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती (1) पटेल अवालबेन,
लल्लू भाई काविधवा,
- (2) श्रीमती शाहीबेन मानगाभाई पटेल,
उनावा, गांधीनगर,
- (3) मावाबेन मगनभाई पटेल,
सुनहाला,

(4) श्रीमती शारदाबेन मानगाभाई पटेल,
गांधीनगर,

उनावा,

(5) कानमाबेन मगन भाई पटेल, गांधीनगर,
अनावा, गांधीनगर।

(6) ईनधिराबेन मानगाभाई पटेल,
उनावा गांधीनगर

(7) विहायाबेन मनगाभाई पटेल,
सुनहाला, गांधीनगर

(अन्तरक)

- (2) नरनारायण को आप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड, के द्वारा कान्ति भाई काचराभाई पटेल, बिनदुसागर सोसाईटी, घोयास के पास, रेलवे स्टेशन कालोल के सामने।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला जमीन जो कालोल एस० नं० 264/2, बिनदुसागर कोऑपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी के पास कालोल में स्थित है। जो कालोल सब रजिस्ट्रार के कार्यालय में तारीख 8-8-1980 में सम्पूर्ण वर्ग पर बिक्री खण्ड रजिस्ट्री की गई है।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद।

तारीख : 14-4-1981

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश सं० पो० आर० नं० 1355 ए० एल० यू० 23-I/-
81-82--अतः मुझे मांगीला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1130 है। तथा जो आजी इन्डिस्-
ट्रियल ऐगिया, राजकोट में स्थित है (और इससे उपायुक्त अनु-
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय राजकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधिन 22-8-80 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/वा

- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

- (1) मेमर्स लक्ष्मी फाउन्डरी एण्ड क०
भागदार द्वारा

1. चनाभाई दपेरजीभाई,
2. किशोरभाई चनाभाई

अमृत भवन, पुनीत सोमाईटी, राजकोट

(अन्तरक)

- (2) मेमर्स केमर इन्जीनियरिंग वर्कस
रामकृपा ब्लीडिंग
आजावसारत, राजकोट

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोस्ताधरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मकान जो जमीन माप 1000 वर्ग गज जमीन पर खड़ा
है जिसका प्लॉट नं० 1130, जो, आजी वसाएत राजकोट में
स्थित है। मिलकत का पूर्ण वर्णन रजिस्ट्रीकृत बिक्री दस्तावेज
नं० 748 दिनांक 22-8-80 में दिया गया है।

मांगीला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I, अहमदाबाद

तारीख : 10-4-81

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

का. वि. द. २, १३५५५ ज्ञानकर धामुः (विसेत्रण)

अर्जुन उवाच- , अहं पश्येत्पादं

अहमदाबाद, दिनांक 10 अप्रैल 1981

निर्देश नं० ५० आदि नं० १२५६ पृ० सं० वृत्त० २३-१/
-३२- अतः सर्वे भाग्यवान्

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके विधान 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अन्तर्गत संपन्न प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति विनियम अधिनियम तमिल नूल 25,000/- रु. से अधिक है।

ग्रोर डिप्टी सी. सं. वर्धमान नगर का प्लॉट नं० 116 है। तथा जो पेंस रोड, राजकोट में स्थित है (ग्रोर इससे उपायुक्त अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय राजकोट में राजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अन्वय 19-8-80 को

ओ पुनर्विगत अर्थान के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित हो गई है और नुन यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त अर्थात् वा उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिता (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(१) नगरपालिकाहरूबाट यो प्रश्नको सम्बन्धित प्राधिकारिक
कमिटीहरूलाई जानकारी गराइने र आवश्यक कानूनहरूको माध्यम
वा उचित अवधिमा पुर्तिदा तालिम; और/या

(ख) ऐसा किताब आय या किसी दान या अन्य आस्तियों का, किन्हीं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्वये धार्य करारियों द्वारा माल मूल्य किया गया या या किन्हीं अन्वये धार्य या किया जाने में प्रविष्ट हो लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, का धारा 269-घ की उपधारा (1) के अन्तर्गत निम्नलिखित शर्तियाँ प्रतीत :-

14-56 GI/81

(1) श्री श्रीग. तुमुंदरराव भगवानजर्ज 'आदेशरा',
कोटसु शेरीनं० 8 राजकोट।

(प्रन्तरक)

(2) श्री सोनू जीनलाल
बलरामदास पाण्डेया,
सोनू सुरेशकुमार वलरामदास पाण्डेया
7-8, पंचनाथ प्लॉट, राजकोट।

(अन्तरितः)

तो यह सुझा जाये करके सूक्ष्म सम्पत्ति के अर्थों के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अंशों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रबंध-हस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

हृदयहीन राजा:—इसमें प्रयुक्त गन्धर्व और पक्षी का, जो उक्त
प्रतिनिधियों के अद्वय 20 क में गया परिभाषित
है, गंधी उन्हें होगा, जो इन व्यक्तियों में
दिया गया है।

प्रभुलक्ष्मी

एक दो तैयार कराया गया जो अभिन माग 109-7-0
माग नंबर बढ़ा है। जो अभिन नगर का प्लॉट नं० 116
जो तैयार रोड, राजघोड में स्थित है। भिन्नता का पूर्ण वर्णन
राजिस्ट्री एंड डिप्टी सलतवेयर नं० 5043 दिनांक 19-8-80 में
दिया गया है।

सांगीलाल

सक्षम प्राधिकाः

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

जर्जन रंज- , अहमश्वाद ।

तारीख : 10-4-1981

मोहर :

प्ररूप आर्द्ध. टी. एन्. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 13 अप्रैल 1981

निदेश सं० 574/गाजियाबाद/80-81—अतः मुझे विवेक बनर्जी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसका सं० ... है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रारकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16-8-80

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित होकर प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० महानगरों लैंड एन्ड फाइनेन्स प्राईवेट लि० 8वां, जानडल टेस्ट बिल्डिंग एस अली रोड न्यू देहली। (अन्तरक)

2. मेसर्स इन्डियन होटल कं० लि० ताज महल होटल अपोलो बुन्देर, बाम्बे-39 (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाह्य करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हिता भूमि 4232 वर्गगज स्थित ग्राम पसोदा पर-गना लोनी जिन्हा गाजियाबाद जिन्हा उचित बाजार मूल्य विक्रय मूल्य (4,27832) से 25/ से भी अधिक है।

विवेक बनर्जी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 13-4-1981

मोहर :

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DEPARTMENT OF PERSONNEL & A.R.,
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the April 1981

No. S-14/74-AD.V.—Dr. (Miss) S. Sivaram, Dy. Director, CFSL/C.B.I. New Delhi voluntarily retired from Government service with effect from 31-3-1981 (Afternoon).

The 15th April 1981

No. A-19036/22/78/AD.V.—The services of Shri M. H. Khan, Dy. Superintendent of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Bihar Police, were placed back at the disposal of Bihar State with effect from 6-4-1981 (Afternoon).

The 20th April 1981

No. A-19021/3/81-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri K. Chakravarthi, IPS (GJ-1965) as Superintendent of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from 15-4-1981 (forenoon).

Q. L. GROVER
Administrative Officer (E)
C.B.I.

DIRECTORATE GENERAL
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE

New Delhi-110022, the 10th April 1981

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Iftikhar Unissa Begum as General Duty Officer Grade-II in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 28-3-81 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1574/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. T. K. Vijayasanthi as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Coy. Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 30th March 1981 subject to his being medically fit.

No. O.II-1575/81-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Sadhna Gupta as General Duty Officer Gd-II in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 1st April 1981 for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1576/81-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Shailendra Sharma as General Duty Officer Grade-II (Dy. SP/Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from 30th March 1981 (FN) subject to his being medically fit.

The 15th April 1981

No. O.II-1069/77-Estt.—The President is pleased to relieve Dr. (Miss) Kausalya Chandrabhanji Themaskar, GDO; Grade-II of Group Central II CRPF Ajmer with effect from the afternoon of 14th March 1981 on expiry of one month's notice under Rule 5(1) of the CCS (Temporary Service) Rules 1965.

No. O.II-1573/81-Estt.—The President is pleased to appoint Shri R. K. Khandelwal, IPS (UP 1953) as Inspector General of Police (IIQrs), Dte. General, CRPF, New Delhi w.e.f. 3-4-81 until further orders.

A. K. SURI
Assistant Director (Estt)

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-19, the 15th April 1981

No. F-16016/2/79-PFRS.—On transfer on deputation from CRPF Shri S. D. SHARMA has assumed the charge of the post of Section Officer in the office of the Director

General, CISF, New Delhi with effect from the forenoon of 1st April, 1981.

(Sd/-)
ILLEGIBLE
Director General/CISF

MINISTRY OF LABOUR

(LABOUR BUREAU)

Simla-4, the 5th May 1981

No. 23/3/81-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base : 1960 = 100 increased by two points to reach 420 (Four hundred and twenty) during the month of March, 1981. Converted to base : 1949 = 100 the index for the month of March, 1981 works out to 510 (Five hundred and ten).

A. S. BHARADWAJ
Director

MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 15th April 1981

No. 99/A.—The General Manager, India Security Press, Nasik Road hereby appoints Shri T. V. Uthannan, to officiate as Security Officer on an *ad-hoc* basis for a period of six months from the forenoon of 28th March 1981 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. 111/A.—The undersigned is pleased to appoint Shri S. R. Sharma in a substantive capacity to the post of Purchase Officer, India Security Press, Nasik Road, w.e.f. 28-3-81.

P. S. SHIVARAM
General Manager

SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad (M.P.), the April 1981

No. 7(52)/482.—In continuation of this Notification No. 7(52)/7564 dated 15-10-1980, the *ad-hoc* appointment of Shri P. K. Sharma as Accounts Officer is hereby continued upto 27-2-81 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

S. R. PATHAK
General Manager

MINISTRY OF COMMERCE

DEPARTMENT OF TEXTILES

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 15th April 1981

No. EST.I-2(452)/966.—Shri M. Madurai Nayagam, Additional Textile Commissioner in this office, retired from service from the afternoon of 31st March, 1981, on attaining the age of superannuation.

M. C. SUBARNA
Textile Commissioner

Bombay-20, the 16th April 1981

No. CER/17/81.—In exercise of the powers conferred on me by clause 20 and sub-clause (5) of clause 21 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CER/17/79 dated the 29th June, 1979, namely :—

In the said notification, after the proviso below paragraph 2, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided further that the obligation to pack Hank yarn pertaining to a particular quarter can be fulfilled be-

fore the end of the month succeeding the quarter to which the obligation pertains".

No. 5(2)81/CLB.II.—In exercise of the powers conferred on me by clause 3 B of the Art Silk Textiles (Production and Distribution) Control Order, 1962, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 5(2)79/CLB.II dated the 12th July, 1979, namely :—

In the said Notification, in Paragraph 2, before Explanation I, the following proviso shall be inserted, namely :—

"Provided that the obligation to pack Hank yarn pertaining to a particular quarter can be fulfilled before the end of the month succeeding the quarter to which the obligation pertains".

M. W. CHEMBURKAR
Joint Textile Commissioner.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 15th April 1981

No. 12/394/63-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. K. Mukherjee, Asstt. Director (Gr. I) (Metal Finishing) as Deputy Director (Chemical) at Branch Small Industries Service Institute, Varanasi with effect from the forenoon of 10th March, 1981, until further orders.

No. 12/690/71-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri N. K. Majumdar, Asstt. Director (Gr. I) Industrial Management & Training, Small Industries Service Institute, Calcutta as Deputy Director (Export Promotion) at S.I.S.I., Calcutta with effect from the forenoon of 21st March, 1981, until further orders.

No. A.19018/118/73-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. M. Ahuja, Asstt. Director (Gr. I) (Electronics) Small Industries Service Institute, Jaipur as Deputy Director (Electronics) at S.I.S.I., Ahmedabad with effect from the forenoon of 26th March, 1981, until further orders.

The April 16th 1981

No. 12/709/72-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. Sundararajan, Deputy Director (Mechanical) in Small Industry Development Organisation on his reversion from deputation with Govt. of Tanzania under I.T.E.C. Programme and on expiry of leave, as Director (Gr. II) (Mechanical) on *ad hoc* basis at Hand Tool Institute, Jullundur with effect from the afternoon of 3rd April, 1981.

C. C. ROY
Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 28th March 1981

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division I, the entries "for carrying out trial manufacture and field trials at the specified locations upto 31-3-81" appearing after the word "SOLIMAX" shall be deleted.

The 13th April 1981

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 3 Division I, the entries "for carrying out trial manufacture and field trials at specified locations upto 31-3-1981" appearing after the words "WELL BLAST GELATINE" shall be deleted.

The 14th April 1981

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E. 11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE :

- (i) in the entry "DYNEX-1" for the figures "31-3-1981" the figures "31-3-1982" shall be substituted;
- (ii) in the entry "DYNEX-C" for the figures "31-3-81" the figures "31-3-82" shall be substituted; and
- (iii) in the entry "SALVAGEPAK" for the figures "31-3-1981" the figures "31-3-1982" shall be substituted.

CHARANJIT LAL
Chief Controller of Explosives.

MINISTRY OF STEEL & MINES

DEPARTMENT OF STEEL

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 9th April 1981

No. EI-12(16)/79-Part.—On attaining the age of superannuation Shri Dilip Kr. Das Gupta, Asstt. Iron & Steel Controller, retired from service with effect from the afternoon of 31st March, 81.

S. K. BASU
Deputy Iron & Steel Controller

(KHAN VIBHAG)

Calcutta-16, the 16th April 1981

No. 2026B/A-19012(3-ER/80-19B).—Shri Eashwer Rao, is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-FB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 22-1-81, until further orders.

No. 2050B/A-19012(KC)/80-19B.—Shri K. Chinnuswamy is appointed as Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 11-2-1981, until further orders.

No. 2063B/A-19012(3-RDB)/80-19B.—Shri Ram Dhan Bairwa, STA (Chem.) is appointed to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 17-1-1981 until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 15th April 1981

No. A19011(272)/80-Fstt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Sanjibon Ray to the post of Assistant Controller of Mines in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5-2-81.

S. V. ALI
Head of Office
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 13th April 1981

No. EI-5708/881-Officers.—In partial modification of this Office Notification No. EI-5673/881-Officers dated the 8th Dec., 1980, Dr. (Mrs.) Suneeta Nandwani, M.B.B.S. who was appointed as Lady Medical Officer, in G.C.S. Group

'B' service in Geodetic & Research Branch Dispensary, Survey of India, Dehra Dun on a purely temporary basis on a monthly wages of Rs. 1155/- p.m. (all told) w.e.f. 6-11-1980 (F/N) is also entitled to draw pay at Rs. 650/- in regular pay scale of Rs. 650-1700 w.e.f. 1-2-1981 to 3-2-1981 in terms of Ministry of Health & Family Welfare letter No. A-12026/12/78-CHS.I dated 27-1-1981 with all the allowances including Non-Practising Allowances, as admissible.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

Dehradun, the 14th April 1981

No. C-5709/718-A.—Shri M. C. Anand, Offg. Superintendent, Surveyor General's Office, is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post), on ad-hoc basis in Pilot Map Production Plant, Survey of India, Hyderabad in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 with effect from 28th March, 1981 (FN) *vice* Shri K. C. Bhattacharjee, Establishment and Accounts Officer retired on superannuation on 28th February 1981 (AN).

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India
(Appointing authority)

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
NATIONAL ATLAS AND THEMATIC MAPPING
ORGANISATION

Calcutta-700019, the 16th April 1981

No. 29-16/77/Estt.—The under mentioned Field Officer and Senior Research Assistant's are appointed as Junior Technical Officer in the National Atlas and Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and *ad-hoc* basis with effect from the date mentioned against them, until further order :—

Name & Date of appointment
Field Officer

1. Shri S. N. Shenoy, 10-4-1981 (F.N.).
Senior Research Assistant
1. Shri Lalita Ram, 10-4-1981 (F.N.).
2. Shri Patu Ram, 10-4-1981 (F.N.).

CORRIGENDUM

The 18th April 1981

No. 35-2/80/Fett.—In the Notification of the Government of India, Department of Science & Technology, National Atlas & Thematic Mapping Organisation No. 35-2/80/Fett dated 24-2-1981 to be published in the Gazette of India, Part III Section 1, read "in the National Atlas & Thematic Mapping Organisation on a purely temporary and *ad-hoc* basis" in between the words 'Scientific Officer' and 'with effect from' in the third line of para 3.

S. P. DAS GUPTA
Director

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
PERSONNEL DIVISION

Bombay-400085, the 30th January 1981

No. PA/81(12)/80-R-IV/570—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers Grade SB with effect from the dates indicated under col. 5 against each, in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders :—

Sl. No.	Name	Permanent post held, if any	Officiating as	Date
1	2	3	4	5
1.	Shri Sankaravarier Krishnanadas	—	Scientific Assistant (C)	1-8-80 (FN)
2.	Shri Kanissaril Sankaranikutty	Scientific Assistant (C)	—	Do.
3.	Shri Madhav Prabhakar Kulkarni	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
4.	Shri Sureshchandra Bhaskar Vedak	Do.	Do.	Do.
5.	Shri George Thomas	Do.	Do.	Do.
6.	Shri Rajendra Kumar Gupta	Do.	Do.	Do.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 16th April 1981

No. 5(27)/68-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri A. V. Rao Chowdary, Transmission Executive, Commercial Broadcasting Service, All India Radio, Hyderabad as Programme Executive, All India Radio, Hyderabad in a temporary capacity on *ad-hoc* basis with effect from 1st April, 1981 and until further orders.

H. C. JAYAL
Dy. Director of Administration
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
PUBLICATIONS DIVISION

New Delhi-1, the 24th March 1981

No. A-12025/2/79-Admn.I.—In continuation of this Division Notification of even number dated 20-12-1980, Director, Publications Division is pleased to extend the period of appointment of Shri Kula Nand, an officiating Assistant in the C.S.S. Cadre of Ministry of I & B to officiate on *ad-hoc* basis to the post of Hindi Officer in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-1200 in the Division for a further period of six months upto 31-8-81 or till a regular candidate is appointed, whichever is earlier, on usual terms and conditions.

The above *ad hoc* appointment will not confer on Shri Kula Nand any claim for seniority etc. in the grade of Hindi Officer.

M. M. B. S. JAIN
Dy. Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th April 1981

No. A.31013/5/80(JIP)Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. S. Rama Krishnan in a substantive capacity to the permanent post of Professor of Biochemistry at the Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from the 26th December, 1979.

The 15th April 1981

No. A.12026/34/80-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Miss Shikha Khanna to the post of Dietician at the Safdarjung Hospital, New Delhi for a period of 60 days from the 16th March, 1981 to the 15th May, 1981 on *ad-hoc* basis.

No. A.32013/3/80(HQ)Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Kumar to the post of Deputy Architect in the Directorate General of Health Services, New Delhi in a temporary capacity with effect from the forenoon of 22nd March, 1981 until further orders.

SANGAT SINGH
Deputy Director Administration

1	2	3	4	5
7	Shri Shrikrishna Narayan Karekar	Scientific Assistant B	Scientific Assistant C	1-8-80 (FN)
8	Shri Kollegalam Viswanathan Jayachandran	Do.	Do.	Do.
9	Shri Pramod Shivajirao Mohite	Scientific Assistant (C)	—	Do.
10	Shri Jacob John	Scientific Assistant (A)	Scientific Assistant (C)	Do.
11	Shri Rajaram Gopalrao Hemke	Tradesman-F	Scientific Assistant (C)	Do.
12	Smt. Nagalakshmi Balasubramanian	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
13	Shri Kochakken Abraham Prakas	Do.	Do.	Do.
14	Shri Vaduklot Chacko George	Scientific Assistant (A)	Do.	Do.
15	Smt. Sureswathy Padmanabhan	Scientific Assistant (B)	Do.	18-8-80 (FN)
16	Shri Hareshran Harsukhran Oza	Do.	Do.	1-8-80 (FN)
17	Shri Taranjit Singh Sohal	Draughtsman (C)	—	Do.
18	Shri Kochuparampil Krishnan Somarajan	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	11-8-80 (FN)
19	Shri Chandra Mani Tripathi	—	Scientific Assistant (B)	1-8-80 (FN)
20	Shri Chokkanathapuram Venkataraman Subramanian	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
21	Shri Rameshchandra Anant Andharikar	Draughtsman (C)	—	Do.
22	Shri Vattezbath Divakaran Nair	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
23	Shri Puthenmadom Krishnakartha Rajagopalan	Do.	Do.	Do.
24	Shri Onkar Tukaram Kolha	Asstt. Foreman	Do.	Do.
25	Shri Parameswaranachary Sivadasan Achari	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
26	Shri Pullapparambil Muralidharan	Do.	Do.	Do.
27	Shri Nirmel Swamidas Jagasia	Scientific Assistant (C)	—	Do.
28	Smt. Cheru Sherad Naik	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
29	Shri Ravindra Govind Pandit	Do.	Do.	Do.
30	Shri Vasant Shankar Agashe	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)	Do.
31	Shri Chender Mohan Khanna	—	Scientific Assistant (B)	Do.
32	Shri Ramchandra Nathu Wani	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)	Do.
33	Shri Shantaram Tukaram Raut	Asstt. Foreman	Foreman	Do.
34	Shri Shyamsunder Vishwanath Kanetkar	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)	Do.
35	Shri John Samson Uppin	Asstt. Foreman	Foreman	Do.
36	Shri Kapal Dev Singh	Do.	Do.	Do.
37	Shri Chatar Singh Chawla	—	Do.	Do.
38	Shri Vishvanath Hariha Patil	Tradesman (E)	Tradesman (G)	Do.
39	Shri Krishna Chowdappa Dawagni	Scientific Assistant (B)	Scientific Assistant (C)	Do.
40	Shri Vinod Kumar Datta	Do.	Do.	Do.
41	Shri Kavuri Sankara Vara Prasad	Scientific Assistant (A)	Do.	Do.
42	Shri Dattatray Sheshagiri Divakar	Scientific Assistant (B)	Do.	Do.
43	Shri Ashokkumar Gokaldas Rohra	—	Do.	Do.
44	Shri Ramsay Gomes	Assistant Foreman	Foreman	1-8-80 (FN)
45	Shri Trimbak Vishnu Dharmadhikari	Do.	Do.	Do.
46	Shri Narendra Kumar Chadha	Scientific Assistant (C)	—	Do.
47	Shri Rambilas Ramdhan Sewak	Asstt. Foreman	Foreman	Do.
48	Shri Kovelil Abraham Samuel	—	Scientific Assistant (C)	Do.
49	Shri Dattatraya Gajanan Deshpande	—	Do.	Do.
50	Shri Mohan Venkatesh Lokapur	—	Do.	Do.
51	Shri Subhash Balkrishna Shirgaonkar	—	Do.	Do.
52	Shri Bekal Prabhakar Rao	Scientific Assistant (C)	—	Do.
53	Shri Thandalam Guruswamy Rammohan	—	Foreman	Do.
54	Shri Shyam Ramchand Sakhrani	—	Scientific Assistant (C)	Do.
55	Shri Velu Thangavelu Rajendran	—	Do.	Do.
56	Shri Shripad Raghoba Redkar	Draughtsman (B)	Draughtsman (C)	Do.
57	Shri Shankar Gulabrao Bhor	Do.	Do.	Do.
58	Shri Varadhachariar Vijayaraghavan	—	Scientific Assistant (C)	Do.

No. PA/81(12)/80-R-IV/570.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of VEC of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB with effect from the forenoon of August 1, 1980 in the same Research Centre in an officiating capacity until further orders :—

Sl. No.	Name	Permanent post held, if any	Officiating as
1	2	3	4
1.	Shri Durga Prosad Das	Assistant Foreman	Foreman
2.	Shri Ganti Suryanarayana Murthy	—	Scientific Assistant (C)

The 18th April 1981

No. PA/79(11)79-R-III.—On transfer from the Madras Atomic Power Project, Shri N. V. Ramanan, Assistant Personnel Officer has assumed charge of the post of Assistant Personnel Officer in Bhabha Atomic Research Centre w.e.f. the forenoon of March 26, 1981.

A. SANTHAKUMARA MENON
Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 8th April 1981

No. PPED/3(262)/78-Adm./4598.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri K. G. Vaswani, a permanent Personnel Assistant and Officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 6, 1981 to the afternoon of May 16, 1981 vice Shri P. Venugopalan, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 16th April 1981

No. DPS/2/15/80-Est/8487.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. Dandapani, a permanent Storekeeper to

New Delhi, the 18th April 1981

No. A. 32013/11/79-EC.—The President is pleased to appoint the following two Technical Officers to the grade of Senior Technical Officer on *ad-hoc* basis for a period of six months w.e.f. the date indicated against each and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present Stn. of posting	Stn. to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri S. K. Sharma	Aero. Comm. Stn. Palam	Aero. Comm. Stn., Palam	20-3-81 (FN)
2.	Shri R.K. Singla	Civil Avn. Trg. Centre, Allahabad.	Civil Avn. Trg. Centre, Allahabad.	23-3-81 (FN)

No. A. 38013/1/81-EC.—The undermentioned officers of Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department relinquished charge of their office on retirement on attaining the age of superannuation on date and station indicated against each :—

S. No.	Name and Designation	Station of posting	Date of retirement
1	2	3	4
	S/Shri		
1.	P. K. Dutta-I Comm. Officer	Aero. Comm. Stn, Calcutta	28-2-81(AN)

officiate as an Assistant Stores Officer in a temporary capacity in the same Directorate in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of March 1, 1981 until further orders.

K. P. JOSEPH
Administrative Officer

TARAPUR ATOMIC POWER STATION

PO : TAPP (401504), the 28th March 1981

No. TAPS/1/34(1)/76-R(Vol. V).—The Chief Superintendent, Tarapur Atomic Power Station, Department of Atomic Energy appoints the undermentioned Officiating Scientific Assistants (C) in the Tarapur Atomic Power Station as Scientific/Engineer Grade SB in the same Power Station in a temporary capacity with effect from the dates as indicated against them :

S. No., Name & Date of appointment as SO/Engr. SB

1. Shri J. S. Naik, 1-2-1981 (FN).
2. Shri H. N. Kansara, 26-2-1981 (FN).

D. V. MARKALE
Administrative Officer-III

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION E-I SECTION

New Delhi, the 16th April 1981

No. A-25017/1/81-EL.—The President is pleased to extend the deputation of Shri Bhawani Mal, IPS (Raj 1950) as Director of Civil Aviation Security of Civil Aviation Department for a further period of 2 years from 27-11-79 to 26-11-81 in the time scale of Rs. 2500-125/2-2750.

S. GUPTA,
Deputy Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 31st March 1981

No. A. 32013/3/80-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. N. S. Krishnan in the Grade of Director, Aircraft Inspection in the Civil Aviation Department, for a further period of 6 months on *ad-hoc* basis beyond 23-11-80 or till the regular appointment to the grade are made, whichever is earlier.

S. GUPTA,
Dy. Director of Administration

1	2	3	4
2.	S. Madhu, Asstt. Comm. Officer	Aero. Comm. Stn. Hyderabad	28-2-81(AN)
3.	A. Jagdeshan, Senior Tech. Officer	Aero. Comm. Stn. Hyderabad	31-3-81(AN)
4.	T. R. Seshadri, Sr. Technical Officer	Aero. Comm. Stn. Bombay	31-3-81(AN)
5.	M. S. Menon, Asstt. Comm. Officer	Aero. Comm. Stn. Bombay	31-3-81(AN)

1	2	3	4
6. N. T. Vazirani, Asstt. Comn. Officer		Asst. Comm. Sta, Bombay	31-3-81(A.N.)

V. JAYACHANDRAN,
Assistant Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 18th April 1981

No. 15/115/81-Estt-I.—The President, FRI&C Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint the following persons on purely temporary and officiating capacity as Research Officer, with effect from the dates mentioned against each until further orders.

Sl. No.	Name of the officer	Post held prior to promotion	Date of appointment as Research Officer
1.	Sh. P. K. Bhattacharya	Asstt. Mensuration Officer (<i>Ad-hoc</i>)	28-1-81 (F.N.)
2.	Sh. P. S. Payal	Research Asstt. Grade-I	28-1-81 (F.N.)
3.	Sh. Anarsh Kumar	Do.	28-1-81 (F.N.)
4.	Sh. V. K. Jain	Do.	28-1-81 (F.N.)
5.	Sh. D. D. S. Negi	Do.	28-1-81 (F.N.)
6.	Sh. D. K. Jain	Do.	9-2-81 (F.N.)
7.	Sh. R. C. Mittal	Do.	16-2-81 (F.N.)

RAJAT KUMAR,
Registrar,

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 8th February 1981

No. 1/81.—Consequent upon his promotion as Superintendent, Central Excise, Group 'B', Shri M. J. Thakare, Inspector, Central Excise (S. G.) of this Collectorate, has assumed charge of the Office of Superintendent, Central Excise, Range Bhandara in the forenoon of the 9th February, 1981 relieving Shri R. E. Kale transferred.

K. SANKARARAMAN
Collector

Bombay, the 14 April 1981

F. No. II/3E-6/80.—The following Selection Grade Inspectors have on their promotion assumed charge as officiating Superintendents of Central Excise Group 'B' in the Collectorate of Central Excise, Bombay-II, with effect from the dates shown against their names.

S. No.	Name	Date of assumption of charge
1	2	3
1.	Shri M. R. Mulge	26-12-1980 A.N.
2.	Shri B. M. Kurup	18-12-1980 F.N.
3.	Shri M. D. Sawant	03-01-1981 F.N.
4.	Shri A. K. I. Jamadar	12-01-1981 F.N.
5.	Shri A. D. Shah	05-01-1981 A.N.
6.	Shri K. V. Lad	31-12-1980 F.N.
7.	Shri T. M. Choudhary	27-12-1980 F.N.
8.	Shri R. M. Joshi	31-12-1980 F.N.
9.	Shri K. M. Potdar	01-01-1981 A.N.

1	2	3
10.	Shri V. T. Chitambar	30-12-1980 F.N.
11.	Shri M. P. Jagtapkar	16-12-1980 F.N.
12.	Shri S. A. Nar	16-12-1980 F.N.
13.	Shri R. B. Shinde	14-01-1981 A.N.
14.	Shri V. R. Foli	07-01-1981 F.N.

No. II/3E-6/80.—Shri N. N. Nathani, Office Superintendent, on promotion assumed charge as Administrative Officer, Central Excise, Group 'B' in Bombay Central Excise Collectorate-II with effect from 31-1-1981 forenoon.

No. II/3E-6/80.—The following Group 'B' Gazetted Officers (Superintendents/Administrative Officer) in the Collectorate of Central Excise Bombay-II, have retired on superannuation on the dates shown against their names.

Sl. No.	Name & Designation	Date of Retirement
1.	Shri V. W. Chitambar, Superd.	31-1-1981
2.	Shri V. D. Kale, Superd.	28-2-1981
3.	Shri M. A. Jadhav, Admin. Officer	28-2-1981

V. K. GUPTA,
Collector,
Central Excise : Bombay-II

DIRECTORATE OF O&M SERVICES

CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi-8, the 18th April 1981

No. 1/81/1/122/20/78.—Shri S. D. Chandwani, Additional Assistant Director of this Directorate retired from service with effect from the afternoon of 31st March, 1981 on superannuation pension.

K. J. RAMAN,
Director of O&M Services.

MINISTRY OF ENERGY

DEPARTMENT OF COAL

COAL MINES LABOUR WELFARE ORGANISATION

Dhanbad-826003, the 6th January 1981

No. Adm.5(7)/71.—Shri D. Panda, officiating Executive Engineer, Coal Mines Welfare Works, Division No. 1, is confirmed in the post of Asst. Engineer (Civil) with effect from 13-10-67.

The 14th April 1981

No. F.8(25)/67.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (1)(a) of Rule 5 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949, the Coal Mines Labour Welfare Fund Advisory Committee hereby appoints Shri S. K. Choudhary, General Manager (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd., Karmuk Bhawan, Dhanbad as a member of the Finance Sub-Committee constituted in the notification No. F.8(25)/67 dated 23-12-1975 and subsequently amended vide Notification dated 20-5-1979 vide Shri O. Mahepathi, then Director (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd., Dhanbad and makes the following amendment in the said Notification viz:—

For the entry "Sl. No. 3 Shri O. Mahepathi, Director (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd., Karmuk Bhawan, Dhanbad" the entry Sl. No. 3 Shri S. K. Choudhary General Manager (Personnel), Bharat Coking Coal Ltd., Karmuk Bhawan, Dhanbad" shall be substituted.

D. PANDA
Commissioner
Coal Mines Welfare Organisation
Dhanbad.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-1100022, the April 1981

No. A-19012/893/81-Adm. V.—Chairman Central Water Commission hereby accepts the resignation from government service tendered by Shri S. K. Namboori, Extra Assistant Director, Central Water Commission with effect from the afternoon of 26-3-1981.

A. BHATTACHARYA, Under Secy.
Central Water Commission

CENTRAL WATER AND POWER RESEARCH STATION

PO KHADAKWASLA RESEARCH STATION

Pune-411024, the 18th April 1981

No. 602/31/81-Adm.—In continuation of Notification No. 608/166/80-Adm. dated 23-2-80, the Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-24, hereby extends the appointment of Shri V. G. Phadke, Accounts Officer, on deputation for a further period of one year with effect from 1-2-1981 to 31-1-1982 or (ill the post is filled on regular basis, whichever is earlier. The terms and conditions of his appointment laid down in the above notification will remain unaltered.

The April 1981

No. 608/180/81-Adm.—Consequent on his selection by the Union Public Service Commission, New Delhi, the Director, Central Water and Power Research Station, Khadakwasla, Pune-24, hereby appoints Shri Amrik Singh Guru to the post of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics) on a pay of Rs. 650- P. M. in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 with effect from the afternoon of 28th March 1981.

Shri Amrik Singh Guru will be probation for a period of two years w.e.f. 28-3-1981 (AN).

M. R. GIDWANI,
Administrative Officer, CWPRS
for Director

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Parakh Kothi (West) Limited."*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29794/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Parakh Kothi (West) limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Parakh Kothi (East) Limited."*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29793/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Parakh Kothi (East) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

*"In the matter of Companies Act, 1956 and of
Parakh Kothi (North) Limited."*

Calcutta, the 16th September 1980

No. 29795/500(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, the name of the Parakh Kothi (North) Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

A. B. BISHNU,
Registrar of Companies,

15—56GI/81

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Gujarat Offset Works Private Limited."*

Ahmedabad, the 14th April 1981

No. 2420/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Gujarat Offset Works Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. South Gujarat Tandel Brothers Shipping
Development Co. Private Limited."*

Ahmedabad, the 14th April 1981

No. 1694/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. South Gujarat Tandel Brothers Shipping Development Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Gujarat Marine Chemical Private Limited"*

Ahmedabad, the 14th April 1981

No. 1994/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Gujarat Marine Chemical Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

V. Y. RANE,
Assistant Registrar of Companies,
Gurat.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Goa Aerated Waters Private Limited"*

Panaji-Goa-403001, the 15th April 1981

No. 196/G.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of sec. 560 of the Companies Act, 1956, the name of the M/s. Goa Aerated Waters Private Limited has this day been struck off and the said company is dissolved.

M. L. GANVIR,
Registrar of Companies
Goa, Daman & Diu
Panaji.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Brilliant Roadways Private Limited"*

Madras-600 006, the 15th April 1981

No. DN/5029/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Brilliant Roadways Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*"In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Marudamalai Bus Transports Private Limited."*

Madras-600 006 the 15th April 1981

No. DN/5595/560(3)81.—Notice is hereby give pursuant to sub-section(3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, at the expiration of three months from the date hereof the name of Marudamalai Bus Transpirts Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be stuck off the Register and the said company will be dissolved,

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
M. R. V. Bus Service Private Limited*

Madras, the 15th April 1981

No. DN/4074/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of M. R. V. BUS SERVICE PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Madras Ayurvedic Stores Limited*

Madras, the 15th April 1981

No. DN/1566/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of MADRAS AYURVEDIC STORES LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956, and of
Nalan and Company Private Limited*

Madras, the 15th April 1981

No. DN/1878/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of NALAN AND COMPANY PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Jawahar Chit Fund Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/5750/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of JAWAHAR CHIT FUND PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956, and of
Prima Printing & Graphic Equipments Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/5844/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of PRIMA PRINTING & GRAPHIC EQUIPMENTS PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Alacoque Hotel (Madras) Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/5997/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of ALACOQUE HOTEL (MADRAS) PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956, and of
Sri Anushiya Chit Fund Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/6012/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of SRI ANUSHIYA CHIT FUND PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of Companies Act 1956 and of
Neptune Marine Enterprises Private Limited*

Madras, the 18th April 1981

No. DN/6146/560(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Sec. 560(3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of NEPTUNE MARINE ENTERPRISES PRIVATE LIMITED, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

Sd/-
ILLEGIBLE
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
Ludhiana, the 5th May 1981
CORRIGENDUM

Ref. No. CHD/142/80-81/82.—In the notice under Section 269 D(1) of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) published in the Gazette of India, Part III—Section 1 on page 5820 for the week-ending April 25, 1981, substitute "Sector 37-B, Chandigarh" in place of "Sector 15-B, Chandigarh" wherever occurring therein.

SUKHDEV CHAND
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 13th April 1981

Ref. No. Acq./574/GBD/80-81.—Whereas I, BIBEK BANERJI,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at As per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 16-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mahalakshmi Land & Finance Pvt. Ltd.,
8-B, Jindal Trust Building,
Asaf Ali Road,
New Delhi
through : Shri Des Raj Chhabra.

(Transferor)

- (2) M/s. Indian Hotels Co. Ltd.,
Tajmahal Hotel,
Apollo Bunder,
Bombay-39.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4232 sq. yds. situated in Village : Pasonda, Pargana : Lonj, District Ghaziabad, fair market value of which exceeds more than 25% of the apparent consideration of Rs. 4,27,832/-.

BIBEK BANERJI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpu.

Date : 13-4-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, KANPUR**

Kanpur, the 13th April, 1981

Ref. No. 533/Acq./GBD/80-81.—Whereas I, **BIBEK BANERJI**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

As per Schedule situated at As per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 14-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Patel Ghanshyamdas & Co. Pvt. Ltd., through its Attorney Shri Govinda Bhaskaran Nair, r/o 1864/4, Mahalaxmi Market, Bhagirath Place, Chandni Chowk, Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Shri Prem Chand Gupta, Proprietor of M/s. Modern Paper Product, r/o 54, New Gandhi Nagar, Ghaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 10 and building standing thereon at a and Industrial Estate, G. T. Road, at Vill. Arthala, Teh. Ghaziabad : Distt. Ghaziabad, fair market value of which exceeds more than 25% of the apparent consideration of Rs. 2,20,000/-.

BIBEK BANERJI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 13-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/1033.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-39, situated at Kailash Colony, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri S. Tejinder Singh
s/o Jaswant Singh,
Anand Bhavan,
Civil Lines,
Gullunder City.

(Transferor)

- (2) Smt. Amrit Kaur
w/o Inder Singh,
Smt. Harcharan Kaur
w/o S. Gurnam Singh,
Smt. Iqbal Kaur
w/o S. Amarjeet Singh,
Smt. Inder Jeet Kaur
w/o S. Balbir Singh and
Smt. Amrit Paul Kaur
w/o Janghadur Singh
r/o A-3, Kailash Colony,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 508.5 sq. yds. half portion of Plot No. A-39
Kailash Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/958.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jage Ram
s/o Shri Sibba,
adopted son of Shri Fakira,
r/o Village Deoli, Delhi, (Transferor)
- (2) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg,
New Delhi, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 1 Bigha and 19 Biswas comprised in Khasra No. 659 (1-19), in village Deoli.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Secd :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/957.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Scheduled annexed thereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) S/Shri Ishwar Singh and Dayanand for Self and Attorney for Smt. Saroopi wd/o Sh. Sibba, Smt. Ram Murti and Smt. Kasturi daughters Shri Sibba, Shri Mohinder Singh and Shri Rajinder Singh sons of Shri Raghbir Singh, all resident of Village Deoli.

(Transferor)

- (2) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16 K. G. Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 3 Bighas and 13 Biswas comprised in K. Nos. 658 (2-12) and 670 (1-01) in Village Deoli.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No' I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/956.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Deoli (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S/Shri Sardar Singh,
Bharat Singh
sons of Shri Lal Chand;
Balbir Singh,
Sukhbir Singh and
Baljit Singh
sons of Shri Sudhan;
Rajinder Singh,
Puran Singh,
Tara Chand
sons of Shri Kili Ram
all residents of Village Deoli.

(Transferor)

(2) M/s. Green Park Builders & Promoters (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 K. G. Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6 Biswas comprised in Khasra No. 670/1, in Village Deoli.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/1034.—Whereas
I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. A-39, situated at Kailash Colony, New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—56G1/81

- (1) S. Tejinder Singh
s/o Jaswant Singh,
Anand Bhavan,
Civil Lines,
Jullunder City. (Transferor)
- (2) Smt. Amrit Kaur
w/o Inder Singh,
Smt. Harcharan Kaur
w/o S. Gurnam Singh,
Smt. Iqbal Kaur
w/o S. Amarjeet Singh,
Smt. Inder Jeet Kaur
w/o S. Balbir Singh and
Smt. Amrit Paul Kaur
w/o Jangbhadur Singh
r/o, A-3, Kailash Colony,
New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land mg. 508.5 sq. yds. half portion of Plot No. A-39,
Kailash Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1061.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 10 Block M situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ram Kapur
s/o late Shri Jagan Nath Kapur and
Smt. Kailash Kumari
w/o Shri Ram Kapur
r/o H-31, Kailash Colony,
New Delhi.
(Transferor)
- (2) Miss Daksha Shanker
minor daughter of Shri Bhawanil Shanker
r/o 53, Golf Links,
New Delhi-3.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 10, Block 'M' land measuring 163.05 sq. mts.,
Greater Kailash-I, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/992.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-279, situated at Greater Kailash-II, New Delhi-48 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Major Jagjit Singh Ahluwalia,
S/o Shri Harbilas Rai,
permanent R/o R-25, Greater Kailash-I,
New Delhi-48,

(Transferor)

- (2) Smt. Dilli Dhanuka,
w/o Shri Banwari Lal Dhanuka,
r/o E-560, Greater Kailash-II,
New Delhi-48,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. M-279, Greater Kailash-II, New Delhi-48. (Area : 400 sq. yds.) (About 334.5 sq. mts.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.I/S.R.-III/8-80/1049.- Whereas 1,
R. B. L. AGGARWALbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. E-482, situated at Greater Kailash-II, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act.
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

- (1) Shri A. D. Jain,
s/o Late Shri Srichand Jain,
r/o E-66, Ansari Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Satya Pal Aggarwal
s/o Shri Nanak Chand and
2. Smt. Usha Rani Aggarwal,
w/o Shri Satya Pal Aggarwal,
r/o E-482, Greater Kailash-II,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-482, Greater Kailash-II, New Delhi- 48
(Area 550 sq. yds.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1048.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-61, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prem Dutt Sharma
s/o Yagga Dutt Sharma
r/o J-18, Saket, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Sardar Mohan Singh
s/o S. Rattan Singh
and Amrik Singh
s/o Mohan Singh of
C-61, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. C-61, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 300 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/974.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop No. 21 situated at Commercial Complex, G. K.-II, New Delhi-110048

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) D. L. F. Builders,
21-22, Narindra Place,
Parliament Street, New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Amnik Singh
2. Shri Pyara Singh and
3. Shri Harbans Singh,
ss/o of Shri Narayan Singh,
C-38, N.D.S.E., Part-II, New Delhi-110041.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in this Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 21, Ground Floor, Commercial Complex, Greater Kailash-II, New Delhi-110048. (Area 651.22 sq. ft.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/8-80/1035.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Mehrauli, New Delhi and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dev Pratap Singh
s/o I. P. Singh
R/o D-48, Hauz Khas, New Delhi
through his general attorney Shri I. P. Singh
s/o Khem Chand
r/o D-48, Hauz Khas, New Delhi &
Shri M. P. Singh
s/o I. P. Singh
r/o D-48, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferors)

- (2) Shri Hari Krishan Soni
s/o Lala Ami Chand Soni;
Vijay Kumar Trehan
s/o Late Shambhu Nath Trehan,
Ajai Kumar Trehan,
Vinay Kumar Trehan
s/o Shambhu Nath Trehan,
r/o C-3/4, Safdarjang Development Area, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 14 bighas and 9 biswas, M. No. 29, killa No. 11 (4-11), 12 (4-16), 13 (2-16), 26 (0-10), M. No. 30, killa No. 15/2 (1-16), situated in Mehrauli, New Delhi, with tube well.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-NI/8-80/1160.—Whereas, I R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F/58, situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Isher Dass Beri
s/o Late Shri Radha Kishan Beri,
E-146, Malviyanagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Rev. K. T. Thomas
s/o Shri Thomas,
F/58, Green Park,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F/58, Green Park, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1099.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. N-33, situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—56 GI/81

- (1) Mrs. Toshi Beri,
Sanjiv Beri,
B. K. Beri,
32, Gross Road,
Bareilly Cantt. (U. P.),
At present—N-33, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Evangelical Lutheran Church
in Madhya Pradesh,
Luther Bhavan, E. L. C.,
Chindwara in M. P.
Through Executive Secretary U. Kumar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. N-33, Greater Kailash-I, New Delhi. 300 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1031.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 143-144 situated at New Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Motia Rani
w/o Dewan Karam Narain
r/o 141-142, New Rajinder Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Des Raj
s/o Shri Mala Ram Madan &
Smt. Krishana Madan
w/o Shri Des Raj Madan
r/o 16/73, Gali No. 3, Joshi Road, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Bilt Qr. Nos. 143-144, New Rajinder Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS, BHAWAN

I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1012.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-149 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mrs. Kailash Aggarwal & Mrs. Lila Wati,
A-1/22, Safdarjang Enclave,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Sanjit Construction (Delhi) Pvt. Ltd.,
M-103, Greater Kailash-I,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. M-149, measuring 400 sq. yds. 334.45 sq. mtrs., situated in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, H BLOCK VIKAS

BHAVAN, I.P. ESTATE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1040.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 2, situated at Sunder Nagar Market, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dr. (Mrs.) M. B. Kagal,
Wd/o Late Shri B. R. Kagal,
r/o 10, Ivan Hoe,
81, Cadell Road,
Mahim, Bombay-400016,
now at present staying at Kagal Memorial Hall,
East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Bal Krishan Dass,
s/o L. Nathu Ram,
r/o 2, Sunder Nagar Market,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building with a Barsati on the top floor, built on a plot No. 2 measuring 1350 sq. ft. situated at Sunder Nagar Market, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS

New Delhi-110001.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1041.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Portion No. 204 (IIInd floor) situated at D.L.F. House, 40-F, Connaught Place, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. DLF United Limited, 21-22, Narind Place, Parliament Street
(Transferor)
- (2) 1. Shri Ram Kanwar,
2. Shri Ishwar Singh,
3. Shri Ram Bhagat and
4. Shri Krishan Chander
sons of Shri Ram Sarup,
c/o M/s. Ram Sarup, Ram Bhagat,
D.C.M. Store, Sampla Mandi,
Rohtak.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion No. 204, 2nd Floor, Front Portion, D. L. F. House
40-F, Connaught Place, New Delhi (Area : 492.35 sq. ft.).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1043.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 90/67, situated at Malviya Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Nihal Chand,
8-E, Sadar Thana,
Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Pritpal Kaur Tandon and
Master Jaspal Singh Tandon,
90/67, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 90/67, Malviya Nagar, New Delhi, measuring 200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1047.—Whereas
I. R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

E-86, situated at New Delhi South Extension-I, New Delhi-110049

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohan Lal
r/o V. & P. O. Sujjon,
Tehsil Nawan Sahar,
Distt. Jullundur (Punjab).

(Transferor)

- (2) Smt. Veena Arora,
C/o 823/1, Visakha Singh Building,
Joshi Road,
Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Area : 200 sq. yds., 2-1/2 storeyed building, E-86, New Delhi South Extension-I, New Delhi-110049.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1012.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-316 situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hazoor Singh and
Smt. Satnam Kaur
through Shri Inder Singh,
G.P.A. House No. 4351,
Rehgarpara, K. Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri H. S. Bindra,
25, Ringroad, Lajpat Nagar, 4, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

E-316, Greater Kailash-II, New Delhi. Area 250 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1050.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-19, situated Defence Colony, New Delhi-24 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
18—56G181

- (1) Mrs. Sanjogta Morada and
Mrs. Shyam Morada.
(Transferor)
(2) M/s. Capital Limited,
19, R. N. Mookherjee Road,
Calcutta-700001.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at B-19, Defence Colony, New Delhi-24.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting, Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1058.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. E-501, situated at Greater Kailash-II, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sant Ram
s/o L. Shri Bodh Raj
r/o D-80, Gulmohar Park,
New Delhi

(Transferor)

- (2) 1. Shri Anil Kumar Sehgal
s/o Shri M. R. Sehgal
(1/3rd share),
2. Smt. Krishna Nirula
w/o Shri J. C. Nirula
(2/3rd share),
both residents of D-289, Defence Colony, New
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-501, measuring 248 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/8-80/1060.—Whereas, I,
L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

A-1/62-63, situated at Safdarjang Enclave Development Scheme, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Dr. Vinod Ray Gami
s/o Shanti Lal Gami
r/o 23/3, Hospital Road,
Shakti Nagar,
Delhi-7

(Transferor)

(2) Shri Uma Shanker Khanna
s/o Shri G. S. Khanna,
A-1/56, Safdarjang Enclave,
New Delhi-16.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-1/62-63, Safdarjang Enclave Development Schemes, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range I, New Delhi

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/6862/Aug. 80.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 141 Block-I situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Jagdish Kaur
w/o Shri Kahan Singh
r/o 1/141 Kirti Nagar,
New Delhi

(Transferor)

(2) 1 Shri Mohinder Lal,
2 Shri Jia Lal
3 Shri Surinder Kumar
4 Shri Harish Kumar
sons of Shri Bakshi Ram
r/o J/32, Kirti Nagar, Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 141 in Block I, Measuring 200 sq yds situated in the colony Kirti Nagar, New Delhi area of Village Bassai Darapur, Delhi

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New DelhiDate : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/8-80/6861.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 51, Block F situated at Bali Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dhaja Ram
s/o Shri Suraj Bhan alias Surjan
r/o H. No. 2422, Tri Nagar,
Ganeshpura, Delhi-35

(Transferor)

(2) Shri Hans Raj Chawla
s/o Shri Sham Dass Chawla
r/o 279, Kacha Tahar,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 51, Block F of K. No. 3996/2496/1929/2, situated in the abadi known as Bali Nagar, area of Village Bassai Darapur Delhi (Measuring 200 sq. yds).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq-II/S. R.-I/Aug-80/6841.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H No 30, Block C situated at Nehru Road, Adarsh Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Chiranji Lal
s/o L Mool Chand
r/o V- & P. O. Kilrodh,
Teh Jhajjar, District Rohtak,
(Haryana)

(Transferor)

(2) Shri Prem Nath Chopra
s/o Shri Jiwan Dass Chopra
r/o 4532 Arya Pura, Subzi Mandi,
Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 30 Block C on Nehru Road, Adarsh Nagar, Delhi
area 200 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/Aug.-80/6832.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 746-748 (new)/403-A (old) situated at Church Mission Road, Sarai Ahmedpai, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Bhagirath Lal
s/o L. Shri Banwari Lal
Karta of his H.U.F. Bansari Lal & Sons,
A-1/39, Safdarjung Enclave, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Yash Pal Malhotra
S/o Laxmi Narain Malhotra,
D-87, East of Kailash, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 746-748 (new)/403-A/(old) in ward No. III Church Mission Road, Sarai Ahmedpai, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-11/8-80/3624.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWALbeing the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearingNo. Agr. land situated at Village Haibat Pur, Delhi
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on August, 1980for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by
the transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said
Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely :—

(1) Shri Madan Lal
s/o Shri Hari Ram,
r/o 29 Parsu Ram Mandir Gali,
Najafgarh, Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Raj Kumar Kapoor,
s/o Shri K. N. Kapoor,
27-B, Basant Lane, Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a
period of 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the official Gazette or
a period of 30 days from the service of
notice on the respective persons, whichever
period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 bighas and 3 biswas of village Haibat
Pur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6817.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30/73 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

19—56GI/81

- (1) 1. Smt. Lajwanti
Wd/o Shri Gobind Lal
2. Shri Bishamber Lal and
3. Shri Mahinder Pal
Ss/o Shri Ladha Ram
all r/o 30/73, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferors)
- (2) 1. S. Nand Singh
s/o Shri Lubhaya Ram
2. S. Jasbir Singh Kumar
r/o 30/73, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half portion of property No. 30/73, Punjabi Bagh, New Delhi (Western Portion) 545.415 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6793.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-124 & C-125 situated at Kirti Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Joginder Pal Gupta
2. Shri Jugal Kishore Gupta and
3. Manohar Lal Gupta
ss/o Shri Hans Raj Gupta
r/o C-124, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferors)

(2) Shri Chaman Lal Bhasin
s/o Shri Ganpat Raj Bhasin
r/o 32/18, East Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storey house part of plot No. C—124 and C—125 measuring 187-1/2 sq. yds. at Kirti Nagar, area of Village Bassai Dara Pur, Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-1/8-80/6813-A.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. V/147-148 situated at Chandni Chowk, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Deep Chand Ram Dass & Sons
A/6, My Fair Garden,
New Delhi,
through its partners
1. Shri Ghanshyam Dass
2. Shri Kanhaya Lal
3. Shri Mahinder Lal
Ss/o Shri Deep Chand &
4. Smt. Vishana Devi
Wd/o Shri Deep Chand.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Harbhajan Singh and
2. Shri Kulbir Singh
Ss/o Shri Santokh Singh
r/o 5/56, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

82.84% share of Shop No. V/147-148, Chandni Chowk, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6847.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 14/6 situated at East Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rishi Devi Kapoor
w/o Shri B. D. Kapoor
r/o Flat N 5/3, Block 'O',
Sector No. 13, R. K. Puram,
New Delhi,

(Transferor)

- (2) 1. Vinod Bhatia and
2. Parmod Bhatia
minors Ss/o Shri K. L. Bhatia
r/o 14/6, East Patel Nagar,
New Delhi
through Shri K. L. Bhatia.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 14/6, East Patel Nagar, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Aug.-80/3702.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 32/44 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Om Parkash Chopra
s/o L. Gopal Dass
32/44, Punjabi Bagh,
Delhi

(Transferor)

- (2) Shri Harminder Singh Gulati
s/o Shri Kishan Singh Gulati
r/o 32/44, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 32/44, at Punjabi Bagh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORMS ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Aug.-80/3690.—Whereas,
I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot A-167 situated at Inderpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ram Parkash Uppal
s/o Lal Chand Uppal
r/o R-200 Greater Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Krishna Kainth
w/o Sohan Lal Kainth
r/o C/o Tarsem Lal,
15 Panchkuian Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property on Plot No. A-167, Inderpuri, New Delhi measuring 200 sq. yd. Mouza Naraina, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A.C./Acq.-II/S. R.-II/Aug. 80/3682.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bakauli, Delhi Khatta Khatauni

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Surinder Singh Khera
s/o L. Shri Bichitter Singh Khera
r/o D-28, N.D.S.E.I., New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Sher Jang Barry
2. Shri Inder Lal Barry
3. Shri Vrinder Lal Barry
Ss/o Shri S. L. Barry
4. Smt. Ka. Barry
w/o Shri S. Jang Barry
5. Smt. Usha Barry
w/o Shri I. L. Barry and
6. Smt. Veena Barry
w/o Shri V. L. Barry
all r/o 5/6, Roop Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 53 bighas, 16 biswas, Village Bakauli, Delhi Khatta Khatauni.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal ;

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Aug. 80/3680.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-9, situated at Village Naraina, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Krishna Kanta Kapur
w/o Shri Madan Lal Kapur,
r/o H. No. C-9, Inderpuri Colony,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sumnesh Kumar
s/o Shri Rattan Lal
r/o H. No. C-52, Narajna, Vihar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1-1/2 storeyed house bearing No. C-9 out of Khasra No. 1650, situated in the area of Village Naraina in the abadi of Inderpuri Colony, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Aug. 80/3679.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 70 Block J-3 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
20—56GI/81

- (1) Shri Om Parkash
s/o Shri Lachman Dass
r/o 1921, Sector 9,
Faridabad.

(Transferor)

- (2) Shri Dwarka Nath
s/o Shri Nand Ram and
Shri Sewa Ram
S/o Shri Dwarka Nath
J-3/70, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1-1/2 storey house built on plot No. 70 in Block J-3, mg.
160 sq. yds. Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C. Acq.-II/S.R.-II/Aug. 80/3678.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 41, Road 41 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considerations therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harbhajan Singh
s/o Shri Kirpal Singh
Smt. Joginder Kaur
w/o Shri Harbhajan Singh
r/o 41/41, Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Nanaksar Ashram Sihar,
Distt. Ludhiana,
through its Trustee S. Kanwaljit Singh,
s/o S. Gurbakash Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

D. S. building on Plot No. 41, on Road 41 mg. 2222-22 sq. yds. at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6812.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Cottage No. 9 situated at 2, Shamnath Marg, Delhi-110054, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- | | |
|------------------------------------|--------------|
| (1) East India Hotels Ltd. | (Transferor) |
| (2) Prithi Pal Singh Lamba (Karta) | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Oberoï Cottage No. 9, Oberoi Apartment, 2, Shamnath Marg, Delhi-110054.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-II/S. R.-1/Aug. 80/6791.—Whereas J. R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3-2 Block H situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Basant Singh
s/o Shri Hakam Singh
r/o H-32, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Darshan Kaur Sethi
w/o Shri Jaspal Singh
r/o J-3/68, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1-1/4 storeyed house built on plot No. 3-2 in Block 'H' (H-32), situated at Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S R.-II/Aug.-80/3639.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 27, Road 40 situated at Punjabi Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Hira Nand
s/o Shri Chaman Lal,
Shri Ram Dass
s/o Shri Chaman Lal and
Smt. Shakuntla Malik
w/o Shri Ram Lal Malik
r/o 27/40, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Anuj Kumar Bhalla
s/o Shri A. P. Bhalla
Smt. Krishna Bhalla
w/o Shri A. P. Bhalla,
r/o A-2, Anand Parbat,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

SCHEDULE

House on Plot No. 27, on Road No. 40 measuring 360.29 sq. yds. at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI
New Delhi-110002, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S R.-II/Aug. 80/3640.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. C-111 situated at Inderpuri, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Delhi on August 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section namely :—

(1) Shri Brijendra Nath Mithal
s/o Shri Babu Lal
r/o B-7, Anand Niketan,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sardar Hari Singh
s/o Shri Mehar Singh
r/o WZ-2-B, Vishnu Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold vacant plot, bearing plot No. C-111 measuring 500 sq. yds. situated at Inderpuri, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Aug. 80/6811.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-5/4 situated at Model Town near Kingsway Camp Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Basant Lal Tandon
s/o Shri Ladha Ram Tandon
r/o No. 3110, Sir Syed Ahmed Road,
Darya Ganj, New Delhi.

(Transferor)

- (1) 1. Smt. Lajwanti Kapoor
w/o Shri Sham Sunder
2. Shri Surinder Kumar Kapoor
3. Shri Mahinder Kumar
4. Shri Virender Kumar
5. Shri Vijay Kapoor
s/o Shri Sham Sunder
r/o No. B-5/4, Model Town, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. B-5/4, (plot No. 4, block 5) in Model Town near Kingsway Camp, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-I/8-80/6866.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-93-A, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Har Kaur
w/o Shri Dayal Singh
r/o J/93-A, Rajouri Garden,
New Delhi-27.

(Transferor)

(2) Smt. Sheela Rani
w/o Shri Parshotam Lal
r/o A-106, Vishal Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. J-93-A, measuring 184 sq. yds. in colony of Rajouri Garden, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-I/8-80/6860.—Whereas, I, R. B. L. Aggarwal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 5/1 Block 41 situated at Roshanara Ext. Scheme, on Singh Sabha Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

21—56GI/81

- (1) Shri Ram Sahai
s/o Shri Gehla Ram
r/o 41-5/1, Singh Sabha Road, Shakti Nagar,
Delhi.

(Transferor)

- (2) S/Shri Gur Sahai and Ram Saran
Ss/o Shri Gehla Ram
r/o 41-5/1, Singh Sabha Road,
Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share (undivided) out of—Building built on plot of land No. 5/1 in Block No. 41, Roshanara Extension Scheme, situated on Singh Sabha Road, Delhi measuring 340 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

Ne Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-II/8-80/3701.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. AL/7 situated at Hari Nagar, Tihar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Chaudhary Jai Narain
s/o Chaudhary Bhagwan Dass,
2872, Tibar Market,
Teliwara, Sadar Bazar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ishwar Dayal
s/o Prithvi Singh,
4238 Gali Bahuji,
Pahari Dhiraj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. AL/7, Khasra No. 84, Block L, measuring 400 sq. yd. situated at Hari Nagar, Tihar, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-1/8-80/6880.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4800-4801 situated at Ram Bazar, Cloth Market, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Banwari Lal,
s/o Shri Ram Chander,
r/o C/o Ganesh Lal Kishori Lal,
Ram Bazar, Cloth Market,
Delhi
through Shri Ram Chand Saraf,
G. A. (Regd.).

(Transferor)

- (2) Smt. Sheela Devi,
Ajay Kumar,
Anil Kumar,
Arun Kumar,
w/o and s/o Shri Jagdish Parshad,
all resident of Belau Ganj, Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4800-4801, situated at Ram Bazar, Cloth Market, Delhi, measuring 60 sq. yds. double storey.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3652.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 135/136 Block C situated at Village Jawalahari, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satish Kumar Malhotra,
41-A, MIG Flats, Pocket C,
Phase-II, Ashok Vihar,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ajay Kumar,
Railway Road,
Bahadurgarh, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. 135/136, Block-C, out of Khasra No. 1/16/2, in Village Jawalahari, in the abadi of New Multan Nagar, New Delhi measuring 373-1/3 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/Aug.-80/6829.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Oberoï Duplex-19, Block-C-3 situated at Oberoi Apartment, 2, Shamnath Marg, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The East India Hotels Ltd.,
4, Mangoe Lane,
Calcutta-700001.

(Transferor)

- (2) Mrs. Anjali Sibal and
Mr. Rabinder Kumar Sibal,
Hotel Oberli Palace,
Srinagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Oberoï Duplex-19 in Block C-3 with lawns situated at Oberoi Apartments 2, Shamnath Marg, Civil Lines, Delhi-54.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3685.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agriculture land situated at Village Sahibabad, Daulat Pur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Virender Singh
s/o Sher Singh
r/o V. & P. O. Sahibabad, Daulat Pur,
Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Jhalam Udyog Pvt. Ltd.,
3641, Lohewali Gali,
Chawri Bazar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 bigha K. No. 395 of Village Sahibabad, Daulat Pur, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Sc21 :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3662.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing.

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Chand Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi,
through Chand Parkash
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Arun Chopra
s/o A. R. Chopra
r/o 16A/13, WEA Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 5 bighas and 5 biswas M. No. 21.
Killa No. 13, Village Najafgarh, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi 110002, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3662.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12A Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Kiran P. Chopra
w/o Shri Pramod Chopra
r/o 6/20, Shanti Niketan,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, M. No. 21, Killa No. 24, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S.R.-II/8-80/3668.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agr. land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—56GI/81

- (1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A Aurangzeb Road, New Delhi.

(Transferor)

- (2) Vinod Chopra
s/o A. R. Dhopra
r/o 6-B Anand Niketan,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas M. No. 34,
Killa No. 3, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3669.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi,
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. India Crafts,
2E1/, Swami Ram Tirath Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 7 bighas and 5 biswas M. No. 34, Killa No. 2 (4-16), M. No. 21, Killa No. 22/2 (2-9), situated in village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April, 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3667.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on August, 1980for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi,
through Chand Parkash and
general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Village Crafts,
2E/1, Swami Ram Tirath Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publications of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas K. No. 7,
M. No. 34, situated in village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi-110002, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3666.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chander Parkash & Sons
41-Pusa Road,
New Delhi,
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Chopra
w/o Vinod Chopra
r/o 6B, Anand Niketan,
New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas Mastatil
No. 34, Killa No. 4, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/SR.-II/8-80/3664.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, De (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi,
through Chand Parkash &
through general attorney
Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Pramod Chopra
s/o Shri A. R. Chopra,
r/o 6/20, Shanti Niketan,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 16 biswas, M. No. 21
Killa No. 23, village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Sgl :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-II/8-80/3665.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

(1) M/s. Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road,
New Delhi
through Chand Parkash &
through attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sunita Chopra
w/o Shri Arun Chopra
r/o 16A/13, WEA Karol Bagh,
New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 5 bighas and 12 biswas M. No. 21, Killa No. 17, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New DelhiDate : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/8-80/3661.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Najafgarh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Chander Parkash & Sons,
41-Pusa Road, New Delhi
through Chand Parkash and
through general attorney Santosh Kumar
s/o Gokal Chand
r/o 12-A, Aurangzeb Road,
New Delhi.

(Transferor)

- (1) Arun Chopra
s/o Shri A. R. Chopra
r/o 16A/13, WEA Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 13 biswas, Khasra No. 18/1, M. No. 21, Village Najafgarh, Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 20-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 2nd April 1981

C. R. No. 62/27855/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. R. S. No. 181/2, T. S. No. 117/2, & Door No. 4-6-610 situated at Kodialbail Village, Kodialbail Ward, Mangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore City Document No. 559/80-81 on 14-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri K. Raja Ganesh Shenoy,
S/o K. Nagesh Shenoy
Canara Bank, Nariman Point Branch,
Bombay-21
by his Special Power of Attorney holder
Shri A. Laxman Kamath,
S/o A. Ramachandra Kamath,
Dongerkerly, Mangalore-3.

(Transferor)

- (2) Shri K. Ramachandra Shenoy,
S/o K. Keshava Shenoy,
Merchant, Bunder,
Mangalore-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 559/80-81 dated 14-8-1980)
All that property bearing R. S. No. 181/2, T. S. No. 117/2 and Door No. 4-6-610 situated in Kodialbail Village, Kodialbail Ward, Mangalore City.

Bounded by

On North : D. L. Lane
On South : Survey Lane
On East : Portion of T.S. No. 117/2
On West : Portion of T.S. No. 117/2

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 2-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd April 1981

C. R. No. 62/28318/80-81/Acq./B.—Whereas I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 737, situated at Laxman Buildings, Chickpet Crossroad, Bangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 2453/80-81 on 18-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—56GT/81

(1) Shrimathi Ambamma
w/o Late B. N. Ranganatha Rao,
No. 35/5, Tata Silk Farm,
II Main Road,
3rd Shop Lane Basavangudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri Bipinchandra A. Mehta,
S/o Late Anoopchand R. Mehta,
No. 737, Chikkapet Cross Road,
Bangalore City.

(Transferee)

(3) Shri Jayanthi Lal R. Shah,
No. 737, Chikkapet Cross Road,
Bangalore.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2453/80-81, dated 18-9-1980)
All that property bearing No. 737, Laxman Buildings, Chikkapet Cross Road, Bangalore City.

Bounded by :

On North : N. Sampathkumar's property
On South : Common passage.
On East : No. 738, belonging to Shri Nareshchandra A. Mehta.
On West : Chikkapet Cross.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd April 1981

C. R. No. 62/28319/80-81/Acq.-B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 740, situated at Laxman Buildings, Chikkapet Cross Road, Bangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 2454/80-81 on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Ambamma,
W/o Late B. N. Ranganatha Rao,
No. 35/5, Tata Silk Farm,
II Main Road, 3rd Shop Lane,
Basavanagudi,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri Dhanvant Kumar A.,
S/o Late Anoopchand R. Mehta,
No. 740, Chikkapet Cross Road,
Bangalore City.

(Transferee)

(3) 1. Shri P. Laxmaiah Shetty & Sons
2. M/s. Ramakrishna Commercial Corporation,
No. 740, Chikkapet Cross Road,
Bangalore.

(Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2454/80-81, dated 18-9-1980)

All that property bearing No. 740, situated at Laxman Buildings, Chikkapet Cross Road, Bangalore City,

Bounded by:

- On North : Property belonging to Sri N. Sampath Kumar.
On South : Common passage.
On East : Sri N. R. T4lgades's property
On West : No. 739, belonging to Sri Harshad Rai A. Mehta.

R. THOTHATHRI

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd April, 1981

C. R. No. 62/28320/80-81/Acq.B.—Whereas, J. R. THOTHATHRI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 748, situated at Laxman Buildings, Chickpet Cross Road, Bangalore City

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Document No. 2455/80-81 on 18-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought of be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Ambamma,
W/o Late B. N. Ranganatha Rao
No. 35/5, Tata Silk Farm,
II Main Road,
3rd Shop Lane Basavangudi,
Bangalore-4.
(Transferor)
- (2) Shri Naresh Chandra A. Mehta,
S/o Late Sri Anoopchand R. Mehta,
No. 738, Chickpet Cross Road,
Bangalore City.
(Transferee)
- (3) 1. Sri K. C. Narasimha Murthy,
No. 738, Chickpet Cross Road,
Bangalore.
2. Shri C. N. Char, No. 737 to 739,
Chickpet Cross Road,
Bangalore.
(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2455/80-81, dated 18-9-1980)
All that property bearing No. 738, situated at Laxman Buildings Chickpet Cross Road, Bangalore City.
Bounded by :

- On North : Property belonging to Sri N. Sampathkumar.
- On South : Common passage.
- On East : Property No. 739, Belonging to Sri Harshad Rai Mehta.
- On West : Property No. 737, belonging to Sri Bipin Chandra A. Mehta.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 3-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore, the 3rd April 1981

C. R. No. 62/28321/80-81/Acq./B.—Whereas, I, R. THOTHATHRI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 739, situated at Laxman Buildings, Chickpet Cross Road, Bangalore City, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhi Nagar, Document No. 2456/80-81 on 18-9-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ambamm
W/o Late B. N. Ranganath Rao,
No. 35/5, Tata Silk Farm,
Ind Main Road,
3rd Shop Lane, Basavanagudi,
Bangalore-4. (Transferor)
- (2) Sh. Harshad Rai A. Mehta
S/o Late Anoop Chand R. Mehtha
No. 739, Chickpet Cross Road,
Bangalore City. (Transferee)
- (3) 1. Tenants 1. Mothilal Husanlal & Co.,
No. 739, Chickpet Cross Road,
Bangalore.
2. C. N. Char,
No. 737 to 739, Chickpet Cross Road,
Bangalore.
[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Registered Document No. 2456/80-81, dated 18-9-1980.

All that property bearing No. 739, situated at Laxman Buildings Chickpet Cross Road, Bangalore City.

Bounded by :

- On North : Property belonging to Sri N. Sampath Kumar.
- On South : Common passage.
- On East : Property No. 740
- On West : Property No. 738.

R. THOTHATHRI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 3-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 15th April 1981

Ref. No. III 483/Acq./81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 4, Touzi No. 14849, Khata No. 103, Ward No. 33, Circle No. 246 situated at Dujra, Patna

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patna on 21-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Laloo Lal Chauhdary
S/o Late Dwarika Prasad Chaudhary,
Self and on behalf of minor sons
Raj Kishore Jayswal and
Brij Kishore Jayswal
resident of Mohalla Dujra,
P. O. G. P. O. P. S. Budha Colony, Patna Town,
Patna.

(Transferor)

(2) Shri Raj Nath Singh
S/o Late Shri Sital Singh,
resident of Village Dariapur Prem,
P. O. Masaurha, P. S. Paliganj,
Distt. Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Home stead land measuring 2 Kathas 1 dhur and 5 dhurki situated at Dujra P. S. Budha Colony, Distt. Patna more fully described in dead No. 6294 dated 21-8-1980 registered with D.S.R. Patna.

H. NARAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 15-4-1981
Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PATNA

Patna, the 18th April 1981

Ref. No. III-484/Acq./81-82.—Whereas, I, H. NARAIN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Thana No. 12, Khasra

No. 187 situated at Shadikpur Yogi, P. S. Kankarbagh, Patna (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patna on 11-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kuldeep
S/o Late Shri Mangal Prasad Yadav,
R/o Village Bariskhan Talab,
Kumhrar, P. S. Sultanganj,
Distt. Patna.

(Transferor)

(2) Shri Jai Prakash Gupta
S/o Shri Om Prakash Gupta
R/o Jagat Narain Road,
P. S. Kadam Kuan,
Patna.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 decimals situated at Mohalla Shadikpur Yogi, P. S. Kankarbagh, District Patna more fully described in deed No. 6133 dated 11-8-1980 registered with D. S. R., Patna.

H. NARAIN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date : 18-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Bibhuti Bhusan Bhattacharjee

(Transferor)

(2) Pratima Basu.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 31st March 1981

Ref. No. 895/Acq. R.-III/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/216 situated at Gariahat Road (South), Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 14-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring an area 2 K. 9 Ch. 18 sq. ft. being premises No. 1/216, Gariahat Road (South) Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 31-3-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 7th April 1981

Ref. No. A.C.-8/R-IV/Cal/81-82.—Whereas I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1963 (43 of 1961) hereinafter referred to as the ('said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 213, situated at Champapuria

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chandpara on 14-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- | | |
|---------------------|--------------|
| (1) Sahadeb Biswas | (Transferor) |
| (2) Radheshyam Paul | (Transferee) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 8 Kh. 18 Kh. of land situated at 213 Champapuria, Mouja more particularly as per Deed No. 4137 of 1980.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 7-4-1981
Seal :

FORM IT.N.S.———

(1) Ajit Kr. Chakraborty

(Transferor)

(2) Mani Kuthi Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April 1981 ,

Ref. No. 898/Acq. R.-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 45C/1J/1, and 45C/1J, situated at Moore Avenue, Calcutta (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—56GI/81

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring total area 8 K. 3 Ch. 25 Sq. ft. being premises No. 45C/1J/1, and 45C/1J, Moore Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 15-4-1981

Seal ;

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Bithi Banerjee

(Transferor)

(2) Mani Kuthi Co-operative Housing Society Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 15th April, 1981

Ref. No. 899/Acq. R.-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

45 situated at Moore Avenue, Calcutta

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring an area 6 K. 10 Ch. 15 Sq. ft. being premises at 45, Moore Avenue, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, 54 Raji Ahmad Kidwai Road,
Calcutta

Date : 15-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, "Anjiparambil Bldgs",
Anand Bazar, Cochin

Cochin-682016, the 9th April, 1981

Ref. L. C. 482/80-81.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 2nd August, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- | | | |
|-----|--|--|
| (1) | 1. Mrs. Leelamma
2. Smt. Geetha Menon
3. Smt. Maythini Menon
4. Smt. Kamini Menon | } Cherandath House,
Padinjare Chira Road,
Trichur. |
| | | |
| | | |
| | | |
| | | (Transferors) |
| (2) | M/s. Hotel Seven Hills (P) Ltd.,
Trichur-2
represented by the Director. | |
| | | (Transferees) |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

26 cents of land in Sy. No. 2030/1 and 2030/2 of Trichur Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, COCHIN-682016

Cochin-682016, the 9th April, 1981

Ref. No. L. C. 501/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Trichur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trichur on 11th August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Thankom Amma,
W/o Shri Cherkkal Vikraman Nair
Poonkunnam Desom,
Trichur-2.

(Transferor)

(2) Shri P. Ramakrishnan,
Pulari, Poonkunnam,
Trichur-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

8.75 cents of land with building in Sy. No. 1884/15 of Trichur Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 9-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th April 1981

Ref. No. L. C. 502/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per Schedule situated at Alleppey (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 28th August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Achamma Varkey,
Ellukalayil,
Seaview Ward,
Kadapuram,
Alleppey.

(Transferor)

- (2) Shri P. J. Joseph,
Puthenparambil,
Factory Ward,
Alleppey.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

54 cents in S. No. 289/4B, 289/3/2 and 289/7/2 of Alleppey Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 10-4-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 10th April, 1981

Ref. No. L. C. 503/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Alleppey (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alleppey on 28th August, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Kurien,
S/o Shri Varkey,
Ellukalayil,
Seaview Ward,
Kadapram, Alleppey.

(Transferor)

(2) Shri P. J. Joseph,
Puthenparambil,
Factory Ward,
Alleppey

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed No. A. M. C.-W-24/4 in Sy. No. 289/7/2 of Alleppey Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Ernakulam

Date : 10-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ERNAKULAM

Ernakulam, the 13th April, 1981

Ref. No. L. C. 504/81-82.—Whereas I, V. MOHANLAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 11-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Smt. Ambadi Karthyayini Amma,
2. Smt. Malathi Amma,
3. Smt. Nalini Amma &
4. Smt. Jayadevi Amma,
Vijayavilas,
Convent Road,
Ernakulam.

(Transferors)

(2) Smt. S. Bala,
House No. XXXV/438/2,
Warriam Road,
Ernakulam.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.725 cents of land with a two storeyed building in Sy. No. 1229/1 of Ernakulam Village.

V. MOHANLAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 13-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th April, 1981

G. I. R. No. R-154/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 90-A situated at Tagore Town, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 7-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Dadu Jagdish Prasad Singh

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Rama Verma
2. Shri Sarvesh
3. Shri Rajesh
4. Shri Devesh
5. Shri Anish (Minor)

(Transferees)

- (3) Shri B. Majumdar (Tenant)

and three others (unauthorised).

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed House No. 90-A, situated at Tagore Town, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3228, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 7-8-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 7-4-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 15th April 1981

G. I. R. No. M-113/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H.I.G. 67 situated at Aliganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 22-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—56GI-81

- (1) Lt. Colonel Kamal Krishn Verma
R/o 135, Model Town
East Ghaziabad,

(Transferor)

- (2) Smt. Manjoo Misra
W/o Hargovind Misra
R/o 118/256, Kaushal Puri, Kanpur
At present : C/o Hargovind Misra
Resident Engineer,
P.W.D., Hardoi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. H. I. G.-67, Aliganj, Lucknow, lease-hold. Total area 2852.50 sq. feet and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 5154/80 and sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 22-8-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 15-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April, 1981

G. I. R. No. K-98/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 289/211/1, Moti Nagar situated at Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Pratap Singh,
S/o Shri Risal Singh
R/o 'Amar Kunj',
Moti Nagar, Lucknow.

(Transferor)

(2) Smt. Kundi Bai Assoomal
W/o Shri Assoomal
R/o H. No. 23, Khiyaliganj,
Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Eastern portion of double storeyed house bearing Municipal No. 298/11/1 constructed over lease-hold plot No. 369A (including building and land) situated at Moti Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5319 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 27-8-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow,

Date : 22-4-1981
Seal :

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April, 1981

G. I. R. No. K-99/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 498/200, Bishop Rockey Street situated at Faizabad Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 24-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Mrs. Faith Roy
W/o Late Shri G. C. Roy
R/o H. No. 498/200 (First Floor)
Bishop Rockey Street,
Faizabad Road,
Lucknow.

(Transferor)

(2) 1. Dr. K. D. Verma
S/o Dr. H. D. Verma
2. Mrs. Sunita Verma
W/o Dr. K. D. Verma
Residents of H. No. 498/200 (Ground Floor) Bishop
Rockey Street,
Faizabad Road,
Lucknow.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 498/200 built up on lease-hold plot No. 7 measuring 13650 sq. ft. situated at Bishop Rockey Street, Faizabad Road, P. H. Mahanagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in form 37G No. 5285 and the sale deed which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 24-8-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-4-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 6th April, 1981

Ref. No. F. No. 10948/80.—Whereas, I, Mrs. RADHA
BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 14/25/1, Senganur Village at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram, Coimbatore (Document No. 2877/80) on 21-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Venkatesh,
S/o Shri J. Ramakrishnaiah,
Krisik Printers,
Lalbaugh Front Road,
Bangalore-4.

(Transferor)

(2) Shri R. Dhamodaran,
S/o Shri Neerkondar,
V. Ramakrishna Naidu,
No. 17, Dhanu Nagar,
Coimbatore-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building at Dr. No. 14/25/1 & T. S. No. 11, Senganur Village, Coimbatore—Document No. 2877/80).

RADHA BALAKRISHNAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras.

Date : 6-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS

Madras, the 8th April, 1981

Ref. No. F. No. 10943/80.—Whereas, I, MRS. RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Dr. No. 15/104, Bharati Park Road, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

JSRO-II, Coimbatore-1 (Document No. 2978/80) on 21-8-80 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. P. Jayalakshmi,
W/o Shri G. Paneerselvam Naidu,
Puthupalayam,
(Udumalpet Taluk)

(Transferor)

(2) Shri R. Damotharan,
S/o Shri P. A. Raju Chettiar,
No. 411, Vysial Street,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and building T. S. No. 12/95-97/2 and Door No. 15/104, Bharathi Park Road, Coimbatore—Document No. 2978/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras

Date : 8-4-1981

Seal :

FORM TINS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006**

MADRAS-600006, the 8th April, 1981

Ref. No. F. No. 10950/80.—Whereas, I, Mrs. RADHA BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-A, Bharathi Park Road, situated at Coimbatore.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Document No. 2922/80) on 21-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the objects of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri V. S. Thiagarajan,
No. 20, Subramaniam Road,
R. S. Puram,
Coimbatore-641002.

(Transferor)

- (2) Smt. Sathyavathi Muthu,
W/o Shri C. Muthu,
Professor, Sri Avanishilingam College,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land & building at 16-A, Bharathi Park Road, Coimbatore—Document No. 2922/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras.

Date : 8-4-1981

Seal :

FORM NO. I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 8th April, 1981

Ref. No. F. No. 1549/80.—Whereas, I, Mrs. RADHA
BALAKRISHNAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 33, Maharaja Surya Rao Road, situated at Alwarpet, Madras-18.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Mylapore, Madras South (Document No. 1549/80) on 21-8-80 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri N. Jayachandran,
2. Shri N. Venkataraman,
No. 5, Venus Colony,
Madras-18.
3. Shri V. Chandrasekharan,
No. 3, First Street,
Chidambaram Colony,
Tuticorin.
4. Shri K. Rajagopalan,
alias Ramesh,
Sathamangalam Colony,
Madurai.
5. Shri M. Subramanian,
No. 33, Maharaja Surya Rao Road,
Madras-18. (Transferors)
- (2) 1. Shri C. H. Krishna Murthy Rao,
2. Smt. K. Padma,
No. 24, Kasturiranga Iyengar Road,
Madras-18. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Land and buildings bearing Dr. No. 33, Maharaja Surya Rao Road, Alwarpet, Madras-18—Document No. 1549/80).

RADHA BALAKRISHNAN

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras,

Date : 8-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

(1) Aditi Products,
Zampa Bazar,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (63 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1104/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Nondh No. 10/783 situated at Ambaji Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 5-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(2) Director of "Ma-Darshan" Apartment Pvt. Ltd.
1. Shri Kishore Maganlal Shah;
2. Shri Indrajit Dhirajlal Hansoti;
Ratanshankar Master Pole,
Ambaji Road,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property at Nondh No. 10/783, Ambaji Road, Surat duly registered on 5-8-1980.

MANGI LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad,

Date : 7-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 7th April, 1981

Rcf. No. P. R. No. 1105/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-

and bearing No.

Nondh No. 4067, 4068, situated at Navapura, Lad Sheri, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 5-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Babulal Ranchhoddas;
Dr. Atmaram Merchant Road,
Bhuleshwar, Bombay.
2. Kirtikumar Babulal
Dr. Atmaram Merchant Road,
Bhuleshwar, Bombay.
3. Anilkumar Babulal
Dr. Atmaram Merchant Road,
Bhuleshwar, Bombay.
4. Rasikchandra Dhirajlal Hansoti;
B. No. C, 2nd Floor, Anupam Apartment,
Bhaga Talav,
Surat.
5. Gangaram Kikabhai Modj;
Annie Besant Road, Surat. (Transferors)
- (2) 1. Shri Kishorchandra Maganlal Shah;
Director of "Ma-Kripa" Apartment;
1/380, Soni Falia, Surat.
2. Shri Bhupendrakumar Yashvantlal Chetania;
Navapura, Kara Road,
Surat. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A property situated at Navapura, Lad Sheri, "Ma-kripa Apartment" Wd. No. 3, Surat duly registered on 5-8-1980.

MANGI LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 7-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 8th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1106/Acq/23-II/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nondh No. 175, Ghanchi Sheri, situated at Navapura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Ambaram Nagindas, self and the capacity of Karta & Manager of family, Karannagar Society, Adajan Patia, Surat.
 2. Shri Harivadan Ambaram; self and guardian of minor Hemant Kumar Harivadan.
 3. Shri Pravinchandra Ambaram;
 4. Shri Bhagwandas Premchand;
 5. Shri Manharlal Bhagwandas Chawala;
 6. Shri Bharatkumar Bhagwandas Chawala;
 7. Shri Bipinchandra Bhagwandas Chawala;
 8. Shri Ratilal Premchand Chawala;
 9. Shri Jagdishkumar Ratilal Chawala;
 10. Shri Suresh Ratilal Chawala;
 11. Shri Chhabildas Premchand Chawala;
 12. Kamlaben Premchand;
 13. Daliben Premchandbhai Chawala;
 14. Ramanben Premchand Chawala;
 15. Shri Shantilal Maganlal;
 16. Shri Bhadrashchandra Shantilal
 17. Saraswatiben Maganlal
 18. Kusumben Maganlal
 19. Kalavatiben Maganlal. (Transferors)
- (2) 1. Shri Navinchandra Uttamram Golwala;
 2. Shri Pankaj Uttamram Golwala;
 3. Minaxi Rajendrakumar; Navapura, Ghanchi Sheri, Surat. (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 175, Wd. No. 3, Ghanchi Sheri, Navapura, Surat duly registered on 16-8-1980.

MANGI LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date: 8-4-1981

Seal:

FORM ITNS—

(1) Gamanben Rangildas Khandwala;
Khandwala Sheri, Wadi Falia,
Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satishchandra Jayantilal Shah;
Shri Rajendra Jayantilal Shah;
8/1529, Copipura, Main Road, Surat.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 10th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1107/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I,
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act),

have reason to believe that the immovable property, having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Wd. No. 13, Athwa R. S. No. 7, Paiki Plot No. 2 situated at
Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Surat on 5-8-1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property,
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Wd. No. 13, Athwa, R. S. No. 7, paiki land
Plot No. 2, duly registered at Surat.

MANGI LAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 10-4-1981

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 13th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1108/Acq./23-II/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Nondh No. 2862, Wd. No. 2, Mali Falia situated at Sagrampura Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 29-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Jeliben
Wd/o Bhilal Nathubhai;
Urfe—Thakorbhai Bhikhabhai;
Mali Falia, Sagrampura,
Kshetrapal Sheri, Surat.

(Transferor)

(2) 1. Mohmad Salim Abdul Hamid,
Luhar Sheri, Sagrampura, Surat.
2. Jenbibi
w/o Noorbeg Rasulbeg Mirza,
Luhar Sheri,
Sagrampura, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Nondh No. 2862, Wd. No. 2, Sagrampura, Surat duly registered at Surat.

MANGI LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 3-4-1981

Seal :

FORM IINS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD

Ahmedabad, the 14th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1109/Acq./23-JI/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 264/2 situated at Kalol

(and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kalol on 8-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Patel Avalben,
wd/o Lallubhai,
Kalol.
2. Dahiben Mangabhai Patel,
Unava, Gandhinagar.
3. Savaben Mangabhai Patel,
Zhundal, Gandhinagar.
4. Shardaben Mangabhai Patel,
Unava, Gandhinagar.
5. Kantaben Mangabhai Patel,
Unava, Gandhinagar.
6. Indiraben Mangabhai Patel,
Unava, Gandhinagar.
7. Vidyaben Magabhai Patel,
Zhundal, Gandhinagar.

(Transferor)

- (2) Narnarayan Coop. Housing Society Ltd.,
C/o Kantibhai Kachrabhai Patel ;
Bindusagar Society, Near Shreyas,
Opp. Rly. Station, Kalol.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing Kalol S. No. 264/2, situated near Bindusagar Coop. Housing Society Ltd., Kalol and as fully described as per sale deed No. 1163 registered in the office of Sub-Registrar, Kalol on 8-8-1980.

MANGI LAL

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 11-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1355/Acq./23-J/81-82.—Whereas, I,
MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

N. Plot No. 1130, situated at Aji Industrial Area, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 22-8-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Laxmi Foudry & Co.
through Partners :
1. Chanabhai Devshibhai;
2. Kishorbhai Chanabhai;
Amrut Bhuvan, Punjt Society, Rajkot.
(Transferor)
- (2) M/s. Kesar Engineering Works;
Ramkrpa Building-80 Road,
Ajivasahat, Rajkot.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A building standing on land adm. 1000 sq. yds. bearing Plot No. 1130, situated at Ajivasahat, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 748, dated 22-8-80.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date : 10-4-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 10th April 1981

Ref. No. P. R. No. 1356/Acq./23-1/81-82.—Whereas, I, MANGI LAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 116 of Vardhaman Nagar situated at Palace Road, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 19-8-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Soni Mukundrai Bhagvanji Adeshara;
Kotak Sheri No. 4,
Rajkot.

(Transferor)

- (2) Soni Chimanlal Vallabhdas Patadia;
Soni Sureshkumar Vallabhdas Patadia;
7-8, Panchnath Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed building standing on land 109-7-0 sq. yds bearing Plot No. 116 of Vardhamannagar, situated at Palace Road, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 5043, dated 19-8-1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-J, Ahmedabad.

Date : 10-4-1981
Seal :

